

3 गिरफ्तार आरोपी 4 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजे गये	'वाउ मोमो' ने पास के गोदाम को आग के लिए जिम्मेदार ठहराया	प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख देने की घोषणा की	राज्यपाल ने किया दौरा, कहा, संबंधित अफसरों ने लापरवाही बरती	फायर सेफ्टी क्लियरेंस के बिना चल रही थी फैक्ट्री
---	--	--	---	--



n'joyTM

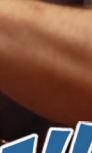
Fun Unlimited

☎ 9830078144



ASLI SWAD KA FUNDA SIMPLE!!







■ POTATO CHIPS ■ WAFERS ■ RICE STICKS & PUFFS ■ CORN RINGS ■ PELLETS

Shree Krishan Co (Mfrs.) Pvt. Ltd. 15 Brabourne Rd., 2nd Floor, Kolkata 700 001

Interested Super Distributor/Stockist & Sales person may also contact

P : 033 - 4008 3139, E : mktg@njoysnacks.com, W : www.njoysnacks.com

/njoysnacks1
 njoy.snacks

बेलगाम हाइवा ने एक राहगीर सहित पिकअप वैन को रौंदा



आसनसोल : आसनसोल नॉर्थ थाना अंतर्गत कल्ला मोड़ इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई है. बेलगाम हाइवा ने सड़क पार कर रहे एक राहगीर को तो बुरी तरह कुचल दिया. साथ ही धनबाद से कोलकाता की ओर जा रही एक पिकअप वैन को भी जोरदार ठक्कर मारकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया. घटना में पिकअप वैन चालक बुरी तरह घायल है. जबकि सड़क पार कर रहे राहगीर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. मृत राहगीर की पहचान शीतला के रहने वाले बिकास थांदर (40) के रूप में हुई है.इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने सड़क पर चल रही बेलगाम हाइवा की रफ्तार पर नियंत्रण और मुवावजे की मांग को लेकर कल्ला मोड़ में राष्ट्रीय राज्यमार्ग जाम कर जमकर प्रदर्शन किया है. वहीं सड़क पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को सड़क खाली करवाने के लिये आसनसोल नॉर्थ थाना पुलिस भारी संख्या में मौके पर पहुंची और लोगों को काफी समझ-बुझाकर सड़क खाली करवाया.स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना कोई नई घटना नहीं है, इससे पहले भी कई घटनाएं घट चुकी है. सड़क सुरक्षा निगम को पालन न करने के कारण सड़क हादसे हो रहे हैं.मृतक के भाई सुभाष थांदर ने कहा कि इस इलाके में अक्सर ऐसे हादसे होते रहते हैं. हम कई दिनों से इस इलाके में पुल की मांग कर रहे हैं. लेकिन कोई काम नहीं हो रहा है. हमें बार-बार सिर्फ भरोसा दिलाया जा रहा है. घटना के बाद कार चालक मौके से फरार बताया जा रहा है. पुलिस उसकी तलाश में जुटी है.

देवब्रत विश्वास की तृणमूल कांग्रेस में वापसी

हुगली : वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में समग्राम विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ चुके देवब्रत विश्वास ने एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है. देवब्रत विश्वास के तृणमूल में लौटने को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है.तृणमूल कांग्रेस में उनकी वापसी के मौके पर कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. इस कार्यक्रम में विधायक असीमा पात्र, हुगली-श्रीरामपुर सांगठनिक जिलाध्यक्ष अरिंदम गुप्ता, समग्राम के विधायक तपन दास गुप्ता सहित पार्टी के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे.पार्टी सूत्रों के अनुसार, देवब्रत विश्वास की वापसी से इलाके में तृणमूल कांग्रेस की सांगठनिक मजबूती और राजनीतिक गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद है.

न्यूज़ कॉर्नर

नदी में गिर कर बीएलओ की मौत, टीएमसी का दावा-काम के दबाव में की आत्महत्या

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के वार्ड नंबर 1 के निवासी और पेशे से शिक्षक श्रवण कुमार काहार ने सेवक स्थित प्रसिद्ध कोरोनाशन ब्रिज से कूटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. शिक्षक होने के साथ-साथ वह वार्ड नंबर 1 में बीएलओ की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे. ग्राम जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर श्रवण कुमार कर्सियांग अनुमंडल के अंतर्गत आने वाले कोरोनाशन ब्रिज पहुंचे और वहां से तीस्ता नदी में छलांग लगा दी. स्थानीय लोगों और बचाव दल ने उन्हें गंभीर स्थिति में पानी से बाहर निकाला और तुरंत सिलीगुड़ी के उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (छड़चउक) ले गए. वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.घटना की खबर मिलते ही सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव और वार्ड नंबर 1 के पार्षद संजय पाठक देर रात अस्पताल पहुंचे. शिक्षक की मौत से पूरे इलाके और शिक्षक समाज में शोक की लहर दौड़ गई है. इस दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मेयर गौतम देव ने प्रशासन और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा:पिछले काफी समय से एसआईआर के काम को लेकर इजजी पर अत्यधिक मानसिक दबाव बनाया जा रहा है. इसी दबाव के कारण कई लोग मानसिक रूप से टूट रहे हैं. संभवतः श्रवण कुमार ने भी इसी काम के बोझ और दबाव के चलते आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

दर्दनाक सड़क हादसा: लारी की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

नदिया : नदिया जिले के राणाघाट शहर से सटे जगपुर रोड पर शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की जान चली गई. यह घटना अनुलिया स्टेडियम के पास घटित हुई.मृतक की पहचान चंद्रनाथ बर्मन (65) के रूप में हुई है, जो राणाघाट थाना क्षेत्र के लोकनाथ नगर के निवासी थे.पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चंद्रनाथ बर्मन अपनी साइकिल से राणाघाट की ओर जा रहे थे. तभी पाथराडांगा की दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार लारी ने उन्हें आवरेटक करने की कोशिश की. इसी दौरान लारी की ठक्कर से वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े और लारी के पहिए के नीचे कुचल गए. उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. पुलिस की कार्रवाई: घटना के तुरंत बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घातक लारी को जब्त कर लिया है. बताया जा रहा है कि भारतीय खाद्य निगम के चावल से लदी यह लारी गोदाम से राणाघाट की ओर जा रही थी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है.

शीतलकुची में पुल ढहने से हड़कंप, डंपर फंसने से यातायात ठप

कूचबिहार : जिले के शीतलकुची ब्लॉक अंतर्गत देवनाथपाड़ा इलाके में शुक्रवार सुबह एक पुल का हिस्सा अचानक ढह गया. तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि पुल का एक भाग नीचे की ओर लटक रहा है और ऊपर एक डंपर खड़ा हुआ है.स्थानीय लोगों का दावा है कि डंपर के अत्यधिक भार के कारण ही पुल ढह गया. इस घटना के चलते इलाके में वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई. यह पुल सिलाई और शीतलकुची के बीच संपर्क का एक प्रमुख माध्यम है, इसलिए रोजाना आने-जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार सुबह एक डंपर पुल से गिर रहा था, तभी अचानक पुल का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया. सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल की हालत लंबे समय से जर्जर थी. बार-बार प्रशासन को जानकारी देने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. लोगों का कहना है कि इससे कहीं बड़ा हादसा भी हो सकता था. पुल ढहने के कारण इलाके में भारी जाम की स्थिति पैदा हो गई. स्थानीय लोगों ने पुल की शीघ्र मरम्मत कराने और भारी वाहनों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग की है.इस मामले पर शीतलकुची के भाजपा विधायक बरन बर्मन से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि मैं फिलहाल जिले से बाहर हूं, लेकिन घटना की जानकारी मिल चुकी है. सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ.

बांकुरा में भाजपा कार्यकर्ता के भाई की बीच सड़क पर हत्या

बांकुरा: बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले ही राजनीति हत्या की घटनाएं सामने आने लगी हैं. बांकुरा के इंद्रास जिले के खटनगर गांव में भाजपा कार्यकर्ता के भाई की हत्या कर दी गयी है. तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर हत्या का आरोप लगा है. बताया जाता है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा कार्यकर्ता को तलाशते हुए उसके घर आये थे. घर पर भाजपा कार्यकर्ता के नहीं मिलने पर तृणमूल कार्यकर्ताओं लौट गये. देर शाम जब भाजपा कार्यकर्ता का भाई बाजार जा रहा था तो तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उसे बीच सड़क पर रोका और उसकी पिटाई शुरू कर दी. बेहमी से हुई पिटाई के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गयी. मृतक की पहचान सुर्जॉय रंग (40) के रूप में हुई है. हत्या की घटना के बाद इलाके में तनाव है. पुलिस मौके पर कैप कर रही है. खटनगर गांव के निवासी सुर्जॉय रंग के भाई प्रसाद इलाके में भाजपा



कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं. मृतक के परिवार के अनुसार, सुर्जॉय कल रात करीब 8 बजे अंडे खरीदने के लिए गांव की शिवतला कॉलोनी में गए थे. उस समय, तृणमूल के स्थानीय कार्यकर्ताओं नयन रॉय और पिंटू रॉय ने सुर्जॉय रंग को घेर लिया और उन्हें थप्पड़ और धूँस मारने लगे. आरोप है

कि तृणमूल के दो कार्यकर्ताओं ने सुर्जॉय को धक्का देकर सड़क पर पटक दिया और फिर से पीटा. जब स्थानीय लोगों ने घटना देखी और बीच-बचाव करने को आगे बढ़े, तो दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए. परिवार के सदस्यों ने सुर्जॉय को गंभीर रूप से घायल अवस्था में इंडास ब्लॉक

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. भारत के भाजपा विधायक निर्मल कुमार धारा मृतक के परिवार के साथ देर रात भारत पुलिस स्टेशन पहुंचे. परिवार ने सुर्जॉय रंग की हत्या के लिए नयन रॉय और पिंटू रॉय के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया. शिकायत मिलने पर, इंडास पुलिस स्टेशन ने घटना की जांच की और पिंटू रॉय को गिरफ्तार कर लिया. मृतक के परिवार ने आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है. प्रसाद रंग ने कहा- मुझे भाजपा सदस्यों से धमकियां मिलती थीं. डर के मारे मैं घर से बाहर नहीं निकलता था. इसीलिए उन्होंने मेरे भाई को ढूंढकर मार डाला. मैं आरोपियों के लिए कड़ी सजा चाहता हूं. दूसरी ओर, भाजपा विधायक ने आरोप लगाया- हमारे कार्यकर्ता की हत्या तृणमूल के मंगलपुर क्षेत्र के अध्यक्ष जीवन मंडल के आदेश पर की गई थी.

इंडो-नेपाल सीमा पर चांदी की तस्करी नाकाम, महिला गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : खोरीबाड़ी के इंडो-नेपाल सीमा स्थित पानीटंकी इलाके में केंद्रीय राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने चांदी की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया. गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात सीमा पर एसएसबी और डीआरआई की संयुक्त गश्त के दौरान नेपाल की एक महिला के कब्जे से चांदी के चार पैकेट बरामद किए गए.गिरफ्तार महिला की पहचान देवी कला खड्का के रूप में हुई है, जो नेपाल के झापा जिले की रहने वाली है. बरामद चांदी का वजन लगभग 10 किलोग्राम बताया गया है, जिसकी बाजार कीमत करीब 36 लाख रुपये आंकी गई है.पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि यह चांदी बागडोगरा से नेपाल ले जाकर वहां सौंपने की योजना थी. इसके बाद डीआरआई ने महिला को गिरफ्तार कर लिया. शुक्रवार को आरोपित महिला को सिलीगुड़ी महकमा अदालत में पेश किया जाएगा.

एसआईआर के नाम पर आम जनता के उत्पीड़न के खिलाफ माकपा का हल्ला बोल

धूपगुड़ी (जलपाईगुड़ी) : पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे 'स्पेशल इंटींसिव रिवीजन' (ख़बठ) यानी मतदाता सूची के सघन संशोधन की प्रक्रिया को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. इसी क्रम में, शुक्रवार को जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी में सीपीआईएम (उद्दख-चू) ने आम जनता को हो रही परेशानियों के विरोध में एक विशाल रैली निकाली. माकपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर साधारण नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है.दस्तावेजों की जटिलता: वैध दस्तावेज होने के बावजूद लोगों को घंटों कतारों में खड़ा रखा जा रहा है.पार्टी का दावा है कि 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' (तार्किक विसंगतियों) के नाम पर उन लोगों को भी नोटिस दिए जा रहे हैं जो वर्षों से मतदान कर रहे हैं. प्रदर्शनकारियों ने इसे लोगों का वोटिंग



अधिकार छीनने की एक गहरी साजिश करार दिया.धूपगुड़ी की सड़कों पर लाल झंडों के साथ निकली यह रैली स्थानीय बी डी ओ कार्यालय के सामने पहुंची, जहाँ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की. माकपा नेतृत्व ने प्रशासन को एक प्रतिनियुक्ति (डेप्युटेशन) सौंपी और मांग की कि:एसआईआर की प्रक्रिया को सलम और पारदर्शी बनाया जाए.आम नागरिकों को डराना-धमकाना तुरंत

बंद किया जाए. वृटिएपूर्ण नोटिस वापस लिए जाएं.प्रशासनिक अधिकारियों ने विरोध पत्र स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया है कि नियमों के दायरे में रहकर जनता की समस्याओं का समाधान किया जाएगा. हालांकि, माकपा ने चेतावनी दी है कि यदि उत्पीड़न बंद नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में और भी बड़े आंदोलन किए जाएंगे.

रन फॉर सेफ फूड 2026' की आधिकारिक टी-शर्ट और फिनिशर मेडल दिखाए गए

ब्रांड एंबेसडर रितुपर्णा सेनगुप्ता भी थीं मौजूद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर काम करने वाली सामाजिक-आर्थिक विकास संस्था मुक्ति ने कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'रन फॉर सेफ फूड 2026' के पार्टिसिपेंट्स की ऑफिशियल टी-शर्ट और फिनिशर मेडल ऑफिशियली दिखाए. इसे सेफ, ऑर्गेनिक और केमिकल-फ्री फूड सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए इस बहुप्रतीक्षित दौड़ के दूसरे एडिशन की तैयारियों में एक अहम पड़ाव माना जा रहा है.इस इवेंट में मशहूर फिल्म एक्ट्रेस और 'रन फॉर सेफ फूड 2026' की ब्रांड एंबेसडर रितुपर्णा सेनगुप्ता मौजूद थीं. मुक्ति के फाउंडर और प्रेसिडेंट शंकर हलदर, सेक्रेटरी सत्यजीत रे, मुक्ति बोर्ड के मेंबर, इस पहल के ऑर्गनाइजर, अरुण-अरुण रनर क्लब के प्रतिनिधि, सुरक्षित और सस्टेनेबल फूड सिस्टम के सपोर्ट और ग्रीन मशीन कंपनी, डाइराशाजी, बिसनेरी, एचडीएफसी, आईआईसीबी कैसर इंस्टीट्यूट जैसे आने-माने स्पोन्सर ऑर्गनाइज़ेशन भी मौजूद थे.समारोह में बोलते हुए आयोजकों ने बताया कि 'रन फॉर सेफ फूड' मुक्ति की एक पहल है, और



इसका दूसरा एडिशन 2026 में होने वाला है. इस पहल का मुख्य मकसद सुरक्षित, ऑर्गेनिक, पौष्टिक और टॉक्सिन-फ्री खाने के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, साथ ही फिटनेस, सोच-समझकर खाने और ज़िम्मेदार लाइफस्टाइल को बढ़ावा देना है. दिखाई गई ऑफिशियल टी-शर्ट एक हेल्दी फूड सिस्टम और एक हेल्दी समाज बनाने के प्रति सामूहिक ज़िम्मेदारी का प्रतीक है. सभी रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट,

एंटीक फिनिश में बने इस मेडल के एक तरफ 'रन फॉर सेफ फूड' का लोगो है, जबकि दूसरी तरफ मुक्ति का सिंबल और साल 2026 है, जो सेफ फूड, जागरूक लाइफस्टाइल और सबकी कोशिशों की वैल्यू को दिखाता है. मुक्ति पश्चिम बंगाल में एक जिलावार और जमीनी स्तर का संगठन है, जो रोजी-रोटी, कम्प्युनिटी रेंजिलिएंस और एथिकल डेवलपमेंट प्रोसेस पर फोकस करता है. मुक्ति को यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल काउंसिल से कंसल्टेटिव स्टेटस मिला है. अपने ऑर्गेनिक इनिशिएटिव 'मुक्ति फ्रेश' के जरिए, यह ऑर्गनाइजेशन अभी 11,000 से ज्यादा ऑर्गेनिक किसानों के साथ काम कर रहा है, जो एनवायरनमेंट फ्रेंडली खेती के तरीकों, सही कीमतों और लोकल फूड नेटवर्क को बढ़ावा दे रहा है. अभी, 250 से ज्यादा किसान पार्टिसिपेटरी गार्टरी सिस्टम (पीजीएस) के तहत सर्टिफाइड हैं, जो भरोसे पर आधारित सर्टिफिकेशन, किसानों को मजबूत बनाते और लंबे समय तक चलने वाले सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए मुक्ति के कमिटेमेंट को दिखाता है.

आसनसोल नगर निगम सफाई कर्मियों के काम बंद करने पर भाजपा ने जताया रोष

आसनसोल : आसनसोल नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि सहित विभिन्न मांगों को लेकर काम ठप कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. सुबह ही बड़ी संख्या में सफाई कर्मी नगर निगम कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्याओं को लेकर जमकर नारेबाजी की. कर्मचारियों की हड़ताल से नगर निगम प्रशासन पर दबाव बढ़ा और शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी गहराने लगी.प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मियों का कहना है कि वे लंबे समय से कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं, लेकिन उनके अधिकारों की लगातार अनदेखी की जा रही है. कर्मचारियों की मुख्य

मांगों में मासिक वेतन में बढ़ोतरी, सचित्र पहचान पत्र जारी करना और प्रोविडेंट फंड (पीएफ) की राशि को नियमित रूप से उनके खातों में जमा करना शामिल है.कर्मियों का आरोप है कि अग्रैल महीने से उनके वेतन से पीएफ की राशि काटी जा रही है, लेकिन वह पैसा अब तक उनके पीएफ खातों में जमा नहीं किया गया है.इससे कर्मचारियों में भारी असंतोष और असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है.सफाई कर्मियों ने कहा कि वे दिन-रात शहर को साफ-सुथरा रखने में जुटे रहते हैं, लेकिन बदले में उन्हें केवल आश्वासन ही मिलते हैं. कई कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया



कि न तो उन्हें स्थायी पहचान पत्र दिया गया है और न ही भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल पा रहा है. मजबूर होकर उन्हें हड़ताल का रास्ता

अपनाना पड़ा.इसी बीच, इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कृष्णेंद्र मुखर्जी ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन कर आसनसोल नगर निगम पर तीखा हमला बोला.

रेलवे न्यूज

डानकुनी स्टेशन पर स्पेशल कैप कोर्ट लगा 518 मामले पकड़े गए, हुई सुनवाई



कोलकाता : 30 जनवरी 2026 को, हावड़ा डिवीजन, ईस्टर्न रेलवे ने टिकटिंग डिसिप्लिन को मज़बूत करने और रेलवे के नियमों का सख्ती से पालन पक्का करने के लिए डानकुनी रेलवे स्टेशन पर एक स्पेशल कैप कोर्ट लगाया. कैप कोर्ट को रेलवे मजिस्ट्रेटों ने लीड किया और इसका मकसद टिकटिंग में गड़बड़ियों को रोकना और यात्रियों के बीच सही व्यवहार को बढ़ावा देना था. यह कार्रवाई 26 टिकट चेकिंग स्टाफ, 19 रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के जवान, और 1 गवर्नमेंट रेलवे पुलिस फोर्स के जवान की एक जॉइंट टीम ने की, जिससे ड्राइव का असरदार तालमेल और आसानी से चलना पक्का हुआ.कैप कोर्ट में चेकिंग के दौरान, टिकटिंग और यात्रा में गड़बड़ियों के कुल 518 मामले पकड़े गए. इनमें बिना टिकट यात्रा के 258 मामले, बिना बुक किए सामान के 64 मामले, कूड़ा फेंकने के 13 मामले, और रेलवे एक्ट के सेक्शन 155 (1)(ए) और (बी), 145, 144(ए), 159, और 162 के तहत 152 मामले शामिल थे. पकड़े गए सभी अपराधियों को मौजूदा रेलवे नियमों के अनुसार सज़ा दी गई, जिससे टिकटिंग अनुशासन, सफाई और रेलवे परिसर के अंदर कानूनी व्यवहार बनाए रखने की गंभीरता को और पक्का किया गया. इस तरह के ड्राइव हावड़ा डिवीजन के सुरक्षित, अनुशासित और पैसंजर-फ्रेंडली रेलवे ऑपरेशन पक्का करने के लगातार कमिटेमेंट को दिखाते हैं, और रेलवे नियमों के उद्धरण के खिलाफ एक मज़बूत रोकथाम का काम करते हैं. हावड़ा डिवीज़न, ईस्टर्नरेलवे ने भी यात्रियों से आग्रह किया है कि वे एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए आसान, सुविधाजनक और बिना किसी परेशानी के ऑनलाइन टिकटिंग और कई पैसंजर-फ्रेंडली रेलवे सर्विस तक एक्सेस के लिए रेल वन एप का इस्तेमाल करें.

कांचरापाड़ा वर्कशॉप में ब्लड डोनेशन कैप लगा



कोलकाता : हाल ही में ईस्टर्न रेलवे के कांचरापाड़ा वर्कशॉप में एक ब्लड डोनेशन कैप का आयोजन किया गया. यह कैप वर्कशॉप रेलवे हॉस्पिटल, कांचरापाड़ा ने बी.आर. सिंह हॉस्पिटल, ईस्टर्न रेलवे के साथ मिलकर लगाया था, जिसका मकसद अपनी मर्जी से ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देना और रेलवे कर्मचारियों में इसकी अहमियत के बारे में जागरूकता पैदा करना था. यह प्रोग्राम कांचरापाड़ा वर्कशॉप हॉस्पिटल के चीफ मेडिकल सुपरिंटेंडेंट (सीएमएस) डॉ. ए. के. रॉय की देखरेख में और कांचरापाड़ा के डिविजनल मेडिकल ऑफिसर (डीएमओ) डॉ. कोयल दास की अच्छी लीडरशिप में आयोजित किया गया था. कैप का उद्घाटन डॉ. ए. के. रॉय, सीएमएस, कांचरापाड़ा ने किया. इस मौके पर डॉ. एस. कुंडू, एसोसिएट (एडमिन), कांचरापाड़ा, और श्री एस. के. चट्टोपाध्याय, डिप्टी चीफ पर्सनल ऑफिसर (वर्क्स), कांचरापाड़ा भी मौजूद थे. उन्होंने ऑर्गनाइज़िंग टीम की कोशिशों की तारीफ की. डॉ. ए. के. रॉय कैप के पहले डोनर बने, जिन्होंने मेडिकल स्टाफ और कर्मचारियों के लिए एक प्रेरणा देने वाला उदाहरण पेश किया. कुल 32 रेलवे कर्मचारियों ने जोश के साथ ब्लड डोनेट किया. डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ और कांचरापाड़ा वर्कशॉप के कर्मचारियों ने कैप में बंद-चढ़कर हिस्सा लिया.इस इवेंट की एक खास बात कांचरापाड़ा वर्कशॉप रेलवे में ऑनलाइन ब्लड ग्रुप एप्लीकेशन द लाइफ लाइन का इंस्टॉलेशन था. इस एप्लीकेशन का मकसद ब्लड डोनेस का एक बड़ा डेटाबेस बनाना और मेडिकल इमरजेंसी के दौरान ब्लड तक तुरंत पहुंच बनाना है. यह इवेंट हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट, कांचरापाड़ा ने ऑर्गनाइज किया था, और सभी संबंधित लोगों की बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी और शानदार सहयोग से सफलतापूर्वक खत्म हुआ.

मालदा में युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद



मालदा : ज़िले के चांचल-2 ब्लॉक अंतर्गत गौरहंड ग्राम पंचायत के जीतारपुर इलाके में शुक्रवार को एक युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान अनारुल हक (30) के रूप में हुई है. मृतक अनारुल हक का घर पास के हरिश्चंद्रपुर-2 ब्लॉक के मशालदह ग्राम पंचायत के मोहनपुर इलाके में है. परिवार के अनुसार, अनारुल अपने पक्के मकान के निर्माण का काम शुरू किया था. गुरुवार वह घर बनाने का सामान खरीदने के लिए लाखों रुपये लेकर घर से निकला, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे. उनका मोबाइल फोन भी बंद था. शुक्रवार सुबह घर से लगभग दो किलोमीटर दूर जीतारपुर इलाके में स्थानीय लोगों ने उनका रुक़रज़ित शव पड़ा हुआ देखा. शरीर पर कई जगह गहरे चोट के निशान थे. परिवार का आरोप है कि अनारुल की साजिश के तहत हत्या की गई है. घटना की सूचना पाकर मौके पर चांचल के एसडीपीओ सोमनाथ साहा और चांचल थाना प्रभारी अभिजीत दत्त पहुंचे. इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

पीएफ से काटी गई राशि का भी सही उपयोग नहीं हो रहा है.भाजपा नेता ने यह भी कहा कि आने वाले समय में सत्ता परिवर्तन होने पर नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार की परतें खोली जाएंगी. उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि भविष्य में सफाई कर्मियों को बेहतर वेतन, स्थायी नियुक्ति और सभी वैधानिक सुविधाएं दी जाएंगी.फिलहाल, नगर निगम प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. वहीं, सफाई कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा.

न्यूज कॉर्नर

बांग्लादेश की जेल से रिहा हुए 23 भारतीय मछुआरे फ्रेजरगंज फिशरीज पोर्ट पहुंचे



कोकिलाता: तीन महीने बाद, बांग्लादेश की बागेरहाट जेल से रिहा होने के बाद 23 भारतीय मछुआरों ने आज जब अपनी भरती पर कदम रखा तो उन्होंने राहत की सांस ली. उक्त मछुआरों में 14 पश्चिम बंगाल और 9 आंध्र प्रदेश के हैं. काकद्दीप सब-डिविजनल एडमिनिस्ट्रेटर और कोर्ट गार्ड की मौजूदगी में आज दक्षिण 24 परीणा के फ्रेजरगंज फिशरीज पोर्ट पर 14 मछुआरों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया.

प्रशासनिक सूची के मुताबिक, पिछले साल 13 अक्टूबर को कुलतली के 14 मछुआरे 'एफवी शुभाजित्रा' नाम के ट्रॉलर से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने गए थे. 19 अक्टूबर को, ट्रॉलर का इंजन अचानक बीच समुद्र में फंसेल हो गया. और वह कंट्रोल खोकर ट्रॉलर बांग्लादेश के जलसीमा में चला गया. बांग्लादेश नेवी ने उन्हें घुसपैठ के आरोप में गिरफ्तार किया और कोर्ट के आदेश पर बागेरहाट डिस्ट्रिक्ट जेल भेज दिया. वहीं, आंध्र प्रदेश के 9 मछुआरों को भी बांग्लादेश में अलगा से हिरासत में लिया गया. दो शेषों के बीच बाचीतली के बाद गुवागार को भारत-बांग्लादेश इंटरनेशनल वॉटर में दोनों देशों के कोस्ट गार्ड की मौजूदगी में एक बड़ा अदला बदली की प्रक्रिया को अंजाम दिए गए.

भारत सरकार ने बांग्लादेश के 115 मछुआरों को रिहा किया, जिसके बदले में बांग्लादेश सरकार ने 23 भारतीय मछुआरों को भारत को सौंप दिया. इन 23 मछुआरों को आज फ्रेजरगंज फिशरीज पोर्ट लाया गया. इंडियन कोस्ट गार्ड के फ्रेजरगंज घाट के डिप्टी कमांडेंट ऑफिसर सुरेंद्र लखरा, काकद्दीप के सब-डिविजनल एडमिनिस्ट्रेटर प्रीतम साहा, नामखाना के बीडीओ सुजत मल्लिक, सागर के एसडीपीओ सुमन कान्त घोष, फ्रेजरगंज कोस्टल पुलिस स्टेशन के औसी सुधीप मंडल और दूसरे बड़े अधिकारी उस दिन पोर्ट पर मौजूद थे. ये 14 मछुआरे काकद्दीप, कुलतली और ह्वाली के हैं. तीन महीने बाद अपने पति को वापस पाकर कुलतली के एक मछुआरे की पत्नी ने आंखों में आंसू भरकर कहा, मुझे लगा था कि मैं उन्हें फिर कभी नहीं देख पाऊंगी.

सरकार का बहुत-बहुत शुक्रिया. रिहा हुए मछुआरों ने कहा कि बांग्लादेश में रहने के दौरान उन्हें टॉर्चर नहीं किया गया, लेकिन विदेशी धरती पर कैद होने का डर उन्हें हर पल सताता रहता था. सब-डिविजनल एडमिनिस्ट्रेटर प्रीतम साहा ने कहा कि दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्तों और ईमानदारी की खातिर यह जल्दी अदला-बदली मुमकिन हो पाई. मछुआरों को वापस लाने के बाद जरूरी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया. आंध्र प्रदेश के 9 मछुआरों को उनके प्रदेश भेजने का इंताजाम किया जा रहा है.

पत्नी प्रताड़ना के आरोप में सेना का जवान गिरफ्तार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हावड़ा थाना क्षेत्र में एक गृहवधू को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में पुलिस ने सेना के एक जवान को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मनमोहनजन सरकार के रूप में हुई है। पुलिस ने यह कार्रवाई पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर की है। यथना हाबड़ा के कुमुदा बेलगाँव माठ इलाके की है। आरोप है कि मनमोहनजन सरकार अपनी पत्नी पूजा सरकार को पिछले काफी समय से देह ज्ञा अन्य पारिवारिक कारणों से प्रताड़ित कर रहा था। इस क्रूरता में मनमोहनजन के माता-पिता (सास-ससुर) और परिवार के कुछ अन्य सदस्य भी शामिल थे। पीड़िता का आरोप है कि वीते कल उसके को साथ बुरी तरह मारपीट की गई थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इस विवाद में दो-तीन पड़ोसियों ने भी आरोपी पति का साथ दिया और महिला पर हाथ डोढ़ाया। गंभीर रूप से घायल पूजा सरकार को इलाज के लिए तुरंत हाबड़ा स्टेशन जन्मल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, गुजरात राज्य पीड़िता ने हाबड़ा थाना में अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाई और रात में ही आरोपी सेना काफ़ी मनमोहनजन सरकार को गिरफ्तार कर लिया।

**आनंदपुर अग्रिकांड पर प्रधानमंत्री की सहायता
के लिए सूकांत मजूमदार ने जताया आभार**

कोलकाता: आन्दोलन में हुए भीषण अग्रिकांड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित आर्थिक सहायता पर भाजपा के प्रदेश मजदूर समिति ने मजदूरों के आभार व्यक्त किया है। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सुकांत मजुमदार ने प्रधानमंत्री के प्रति दिल से धन्यवाद और गहरी कृतज्ञता प्रकट की। अपने पोस्ट में सुकांत मजुमदार ने कहा कि शांतिपूर्ण परिवर्तन के विश्वासशील अग्रिकांड में जिन लोगों की जान गई है, उनके शोकसंतन पिताशरीरों के साथ खड़े होने के लिए दी गई यह आर्थिक सहायता एक महत्वपूर्ण मानवीय कदम है और इससे संवेदना का मजबूत संदेश जाता है- उन्होंने यह भी कहा कि इस कठिन और दुखद समय में यह सहायता प्रभावित परिवारों को मानसिक और सामाजिक संतुलन प्रदान करेगी। सुकांत मजुमदार ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री की यह पहल पीड़ित परिवारों के लिए राहत का काम करेगी। सुकांत मजुमदार ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह मानवीय पहल एक बार फिर साबित करती है कि वह हम कठिन समय में पश्चिम बंगाल के लोगों के साथ खड़े रहते हैं।

આનંદપુર અગ્નિકાંડ : રાજ્યપાલ સીવી

आनंद बोस ने घटनास्थल का किया दौरा

कहा - यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि मानवीय त्रुटि है

कोलकाता: कोलकाता के आनंदपुर इलाके में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीसीवी आनंद बोस ने शुक्रवार को इसे अत्यंत मर्यादा और दुःख बताया. उन्होंने कहा कि प्रशासनिक जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा. राज्यपाल शुक्रवार दोपहर जली हुई फैक्ट्री और गोदाम का स्थल निरीक्षण करने आनंदपुर पहुंचे. इससे पहले राज्यपाल महत्वात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उत्तर 24 परगना जिले के बैकपुर स्थित गांधीघाट पहुंचे, जहां उन्होंने अभिषेक-संस्कारों के बीच 'होम' पत्रकारों की दौड़ दौड़ के दौरान उन्होंने आनंदपुर अग्निकांड पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह घटना बेहद भयावहपूर्ण है तथा इसकी गहन जांच आवश्यक है. बैकपुर के कार्यक्रम के बाद राज्यपाल दोपहर करीब 12 बजे के बाद आनंदपुर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने पूरे इलाके का निरीक्षण किया. उन्होंने कहा कि कई जानें गई हैं. कोई भी पक्षकार जिम्मेदारी से बच नहीं सकता.



एजेंसियों ने अपना कर्तव्य नहीं निभाया। निगरानी नहीं की गई। अग्रिप्रशमन व्यवस्था अनुपस्थित थी। मैं आंखें बंद नहीं कर सकता, यह अस्वीकार्य है कि ऐसा होता रहे, शहर और राज्य में ऐसी घटनाएं लगातार घटित हो रही हैं। मैं थकान का पता लगाने आया हूँ, उन्होंने आगे कहा कि यह बेहद भयानक दृश्य है, बहुभ्रुक मानव जीवन नष्ट हो गए, आग लगाने के दौरान और बाद में कुछ कदम उठाए जा चुके हैं जो चाहे थे, जो यहां तक कि जानों को खोने से बचा रहा है। मालिकों की समान जिम्मेदारी है। कानून को सख्ती से लागू करके अग्निप्रशमन कार्य को सुचारु रूप से चलाया गया था, इसमें सूचक हुई, आवश्यक था, इसमें चुक हिई, यहाँ

चुनाव कार्य में लगे एलआईसी फील्ड कर्मियों की याचिका पर हाईकोर्ट सख्त

निर्वाचन आयोग और एलआईसी से रिपोर्ट तलब



सर्वैधानिक संस्था के कार्य के लिए भेजा जा रहा है, तो इससे उनकी सेवा शर्तों पर प्रतिकूल प्रभाव क्यों पड़ेगा? अदालत ने एकआईसी और नित्यन आयोयोग को निर्देश दिया कि वे दो सप्ताह के भीतर इन मामलों में अपनी-अपनी रिपोर्ट इलफनामे के रूप में दाखिल करें. इसके बाद याचिकाकर्ता को इन रिपोर्टों पर एक सप्ताह के भीतर आपत्ति दाखिल करने की छूट दी गई है. अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 26 फरवरी की है.

झंडे में रखो डंडा, तभी होगा तृणमूल टंडा: अर्जुन सिंह



किस्सी भी कार्यक्रम में टीएमसी नेताओं को आमंत्रित न करें. उन्होंने कहा कि तुष्टमूल के खिलाफ दिखावे की लड़ाई से काम नहीं चलेगा.

अर्जुन सिंह ने न्यायपालिका और पुलिस प्रशासन पर भी स्वावल कोट्टा

उन्होंने कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट ममता बनर्जी को जेल नहीं भेजता या फाड़लें चोरी करने में मदद करने वाले पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड नहीं करता, तो लोगों का अदालत से भरोसा उठ जाएगा. उन्होंने आगे चेतावनी दी.

**अमित शाह से मिलना
चाहते हैं तिलोत्तमा के
माता-पिता**

कोलकाता: आरजी कर अस्पताल की पीड़िता तिलोत्तमा के माता-पिता ने भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमित शाह कल बैकपुर् के आनंदपुरी में एक कार्यक्रमों सभा को संबोधित करने के लिए बंगाल आ रहे हैं। पीड़िता के माता-पिता का कहना है कि वे गृह मंत्री से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें यह बताना चाहते हैं कि सीबीआई की जांच सही दिशा में या संतोषजनक तरीके से नहीं चल रही है, जानकारों का मानना है कि अमित शाह से मिलने की इस पहल के पीछे उसका मुख्य उद्देश्य सीबीआई पर दबाव बनाना है ताकि जांच में तेजी और पारदर्शिता आए, सूत्रों के अनुसार, मुलाकात के दौरान माता-पिता न केवल अपनी बेटी के न्याय की मांग करेंगे, बल्कि तृणभूल सरकार के कथित प्रश्नार्थकों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर भी अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे, उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे इस मामले में सख्त के हस्तक्षेप और न्याय की गृहार लाना चाहते हैं।

दिव्यांग अधिकार कानून को लेकर कलकत्ता

हाईकोर्ट ने उड़ाया सवाल
कलकत्ता हाईकोर्ट ने एसएससी से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश **कीलकाता:** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे स्कूल लेवल सेलेक्शन टेस्ट (एसएलएसटी)-2025 के तहत की जा रही शिक्षक भर्ती में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के पालन से जुड़े आरोपों पर हलफनामा दाखिल करें। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की एकल पदीय नये याचिकाकर्ता की दलीलों पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि दिव्यांग श्रेणी में 100 पद उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण नहीं भरे जा सके, याचिका में मांग की गई है कि आयोग इन पदों की प्रकृति बदलकर किसी अन्य श्रेणी में नियुक्ति न करे। अदालत ने एसएससी और राज्य सरकार को याचिका में उठाए गए बिंदुओं पर चार सप्ताह के भीतर अपना-अपना विरोधी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद याचिकाकर्ता को इन हलफनामों पर दो सप्ताह के भीतर प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी गई है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि दिव्यांग श्रेणी के रिक्रू 100 पदों को लेकर आयोग द्वारा उठाए गए सभी कदम याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन होंगे।

ने कोर्ट रूम में जताया आश्चर्य

कोलकाता: कलकत्ता हाईकोर्ट में एक अजब-गजब मामला सामने आया है. मुख्य न्यायाधीश की खंखरीट



सुनवाई पांच न्यायाधीशों की पीठ से खंडपीठ को कैसे स्थानांतरित कर दी गई। मुख्य न्यायाधीश सुजाय पाल की पीठ में आज इससे संबंधित 14 मामलों की सुनवाई हुई, इनमें हिंसा के पीड़ितों के लिए मुआवजे की मांग करने वाला एक मामला भी शामिल था। जब वादी और वकील प्रियंका तिबरेवाल ने उस मामले में सुनवाई का अनुरोध किया, तो मुख्य न्यायाधीश ने स्वाल उठाया-पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुने जा रहे और फैसला सुनाए जा चुके मामले को नए निर्देशों के बिना डिवीजन बेंच को कैसे वापस भेजा जा सकता है। वकील इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब नहीं दे सके, इसलिए डिवीजन बेंच ने रजिस्ट्री से आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर अदालत को मार्गदर्शन प्रदान करने का अनुरोध किया। साथ ही, सभी पक्षों के वकीलों से मामले में अब करत दिए गए सभी फैसलों पर अदालत को सलाह देने के लिए कहा गया है, इसके लिए मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी। संयोगवश, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंद ने 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की एक बड़ी पीठ का गठन किया था। उस मामले में सीबीआई जांच, मुआवजे और अन्य आदेश जारी किए गए थे। 2023 में, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला खंडपीठ में अचानक मामले की सुनवाई फिर से शुरू हुई। 2021 के विधानसभा चुनावों के परिणाम घोषित होने के बाद, कई स्थानों पर राजनीतिक झड़पों, घरों में तोड़फोड़, हत्या, बलात्कार, लूटपाट और लोगों को डराने-धमकाने और उन्हें इलाका छोड़ने के लिए मजबूर करने के आरोप लगे। सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर मुख्य रूप से विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया गया था।

मन्त्रुचार्य ने दलील दी कि चुनाव डुप्टी के कारण कर्मचारियों पिछले तीन महीने से से अपने बीमा व्यवसाय से जुड़े कार्यों से दूर रहे हैं। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि यह निर्देश दिया जाए कि निर्वाचन आयोग के लिए कर्तव्य निर्वहन करने की अवधि को एलआईसी के व्यवसायिक लक्ष्य पूरे करने के आधार के रूप में गणना न किया जाए। वहीं, निर्वाचन आयोग ने वकील ने अदालत को बताया कि डुप्टी कर्मचारियों को चयनित दिनों के लिए ही चुनावी कार्यों में लगाया गया है। दूसरी ओर, एलआईसी की ओर से पेपर अधिवक्ता ने कहा कि निगम के एक्सपर्ट हज़ार 210 कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग ने चुनावी कार्यों के लिए अधिग्रहित किया है। उन्होंने यह भी बतया कि एक ओर एलआईसी के अपने कर्मचारियों को चुनाव डुप्टी से हटाकर भेजना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर इन्होंने निगम के व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अदालत ने दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद हलफनामा दे रखी कि सुनवाई तय कर दी है।

कोलकाता पुलिस में बड़े पैमाने पर तबादले, 50 से

अधिक निरीक्षक स्तर के अधिकारियों का ट्रांसफर



पोर्ट, हेल्थिंस, बेलियाघाटा, अम्हस्टर
स्ट्रीट, बेहाला, हरिदेवपुर, गिरि
अलीपुर, कस्बा, चार्ल मार्केट, न्यूसि
पार्क, पार्क स्ट्रीट, बऊबाजार,
टॉलीगंज, तिलजला, सिंधी
ठाकुरपुर, आनंदपुर, तोपसिया,
राजाबागान, नेताजी नगर, जादवपुर,
श्यामपुर, बऊबाजार सहित कई
थानों में एए अधिकारियों की तैनाती
की गई है। इसके अलावा ईस्टर्न
सबअर्बिज डिवीजन, साउथ डिवीजन,
नॉर्थ डिवीजन, साउथ वेस्ट डिवीजन,

तृणमूल सरकार 'घुसपैठ हितैषी', अदालत के निर्णय
ने उसकी नीतियों को बेनकाब किया : भाजपा

नई दिल्ली/कोलकाता: पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य की तुणमूल कोषों में सरकार की 'घुसपैठ हितैषी' नीतियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। उसने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में आने पर वह स्थिति को सुव्यवस्थित करेगा और राज्य के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करेगा। राष्ट्रीय राजधानी स्थिति भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय वृहत्संघाध्यक्ष विवेदी ने कहा कि प्रवक्तापिचार को लोकतन्त्र उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को बंगाल-बंगलादेश सीमा पर बाइस लगाने के लिए पहले से अधिग्रहीत भूमि को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपने का निर्देश देने से तुणमूल की नीति 'उजड़ा' हो गई है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य विवेदी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अदालत का निर्देश एक 'अति महत्वपूर्ण कदम' है। उन्होंने कहा, हालांकि, इससे एक बेहतर दखल, दमर्भयपूर्ण और चिंतनजनक

सवाल उठता है, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पश्चिम बंगाल में तुण्मूल कांग्रेस के शासन के दौरान, अच्छे राजनीतिक लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया जा रहा था, और घुसपैठियों के बने देश की सीमाओं की सुरक्षा को दब पर लगाया जा रहा था। कलकत्ता और न्यायपालिका ने गुजरात को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंट्रोल तान की बाड़ लगाने के लिए 31 मार्च तक नती सीमावर्ती जिलों में पहले से आर्थिक नुकसान भूमि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपें। विवेदी ने आरोप लगाया, उसी न्यायपालिका का फैसला एक तरह से उनकी (तुण्मूल कांग्रेस सरकार की) नीतियों के लिए झटका है। उनका असली चेहरा सामने आ गया है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तुण्मूल सरकार 'घुसपैठ हितैषी' है और उनके शासन में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने कहा, हम पूरा विश्वास है कि पश्चिम बंगाल की जनता आगामी चुनावों में घुसपैठियों का समर्थन करने वाली और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली इस सरकार को सत्ता से बेदखल कर देगी।

पूर्व रेलवे

वर्षिक मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, रिसालदाह, केजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 (नीलामी लांछन अधिकारी) द्वारा रिसालदाह मंडल के तहत 4 स्टेशनों में पें एंड यूएस शीशांचाल पाटों के संस्थापना तथा रखरखाव के लिए www.irops.gov.in पर ई-नीलामी सूचीकरण प्रकाशित किया गया है। नीलामी सूचीपत्र सं.: पीएनए-एसडीएचए-09-26। नीलामी शुरु: 02.02.2026 को 13.00 बजे। क्रमांक, लॉट सं., स्टेशन का नाम निम्नलिखित हैं: (1) पीएनए-एसडीएचए-एजीपी-टीआईआई-85-25-1, अगमपाड़ा, (2) पीएनए-एसडीएचए-डॉईबी-टीआईआई-111-25-1, रेडभाग, (3) पीएनए-एसडीएचए-एनएकेए-टीआईआई-150-26-1, नामझाड़ा, (4) पीएनए-एसडीएचए-केडब्ल्यूडीपी-टीआईआई-149-26-1, काकडीपू। प्रत्याशित बोलोदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआईआईएसपीएस नीलामी प्राप्ति देखने का अनुचित किया जाता है। (SDAH-375/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.e.railianrailways.gov.in तथा www.irops.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें अनुरोध करें कि: info@EasternRailway.gov.in info@EasternRailway.gov.in

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना
का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये
में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

संपादकीय

सफलता का एकमात्र उपाय कड़ी मेहनत करना ही है.

कोलकाता । शनिवार । 31 जनवरी, 2026

अति आशावाद से बचें

देश में आम बजट से पहले सामने आने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला व गतिशील बनाने पर बल दिया गया है. यह सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है. दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है. वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है. इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है. निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है. इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति शृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है. यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती. यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं. लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है. खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है. ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं. इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें. ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं. कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है.

इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है, जिसके अंतर्गत स्वदेशी अभियान को तरजीह देने से लेकर रणनीतिक लचीलेपन और रणनीतिक अनिवार्यता भारत की आर्थिक क्षमता की परीक्षा लेने वाला साबित हो सकता है. लेकिन इसके लिये जरूरी है कि भारत में उत्पादित वस्तुओं की साख को अंतर्राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया जाए. निस्संदेह, विश्व में भारतीय उत्पाद ‘खरीदने के बारे में सोचने’ से स्थिति को ‘बिना सोचे भारतीय उत्पाद खरीदने’ वाली सोच विकसित करना एक बड़ी चुनौती होगी. इस स्थिति के लिये हमें विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता की सख्त जरूरत होगी. निस्संदेह, हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ संपन्न हुए ऐतिहासिक समझौते को लेकर अर्थव्यवस्था में खासा उत्साह देखा जा रहा है, जिसके अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद की जा रही है. वहीं दूसरी ओर लंबे समय से लटके हुए भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता लगातार बनी हुई है. सर्वेक्षण में इस बाबत कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष में इस एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद है. लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी को कितना मिलता है. सवाल यह भी है कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी के जीवन को बदलने में कितना मददगार होगा. एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है. भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें. जरूरत इस बात की है कि देश में रोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पहल की जाए. वहीं दूसरी ओर फिसलन वाली जमीन पर चलते हुए सर्वेक्षण में दो धाराएं उभरने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में बदलाव की मंशा जतायी गई है. निस्संदेह, ऐसे किसी बदलाव का आधार तार्किक होना चाहिए.

टैरिफ बनाम प्रदूषण: अर्थव्यवस्था व सेहत पर घातक असर

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है. हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अक्सर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है. चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है. उन्होंने कहा कि प्रदूषण चुपचाप भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक के रूप में उभर रहा है. उन्होंने यह भी कहा

कि भारत में प्रदूषण एक चुनौती है और अर्थव्यवस्था पर इसका असर अभी तक लगाए गए टैरिफ की तुलना में कहीं ज्यादा है.

दरअसल, पिछले कुछ सालों से भारत में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनकर उभरा है. वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल 17 लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है. ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का 18 प्रतिशत बैठता है, जो कहीं न कहीं

आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है. कमोवेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है.निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है. देश की श्रम शक्ति का हास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं. वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है. इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है. निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है.

निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकेट एक यथार्थ है. यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते. जब-जब प्रदूषण संकेट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है. कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है. लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं. इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं. आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है. यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं. सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का है अभी कि जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है.

निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है. साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके. इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे. उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होना. निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है. खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है.

सुरक्षित हवाई यात्रा के लिए ठोस कदम उठाने होंगे



राजेश माहेश्वरी

बीती 28 जनवरी को बारामती के पास हुई एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार व चालक दल के सदस्यों समेत पांच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई. मुंबई से बारामती आ रहा चार्टर विमान मौसम की खराबी के कारण रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना के कारणों का असली पता जांच के बाद ही चलेगा, मगर प्रथम दृष्टया धुंध के कारण दृश्यता में कमी ही बताया जा रहा है. डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रेश लैंडिंग के दौरान हुई. रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका. विमान लियरजेट-45 सोलह साल पुराना था.

मई 2025 में देहली से श्रीनगर जा रहे इंडिगो के विमान को जब तेज टर्बुलेंस और ओलों ने झकझोरा तो 277 यात्रियों की जान संसत में आ गई. हालांकि पायलट की सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग संभव हुई. इस घटना के लगभग एक महीने बाद अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रेश हो गया, जिसमें विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की जान चली गई.

बारामती में हुए विमान हादसे के बाद हवाई यात्रा कितनी सुरक्षित इस पर चर्चा होने लगी है. इस हादसे के बाद से सोशल मीडिया पर कई लोगों ने हवाई यात्रा को लेकर अपने डर को भी जाहिर किया. जाहिर है जान की फ्रिक हर किसी को होती ही है.

अहमदाबाद हादसे का खौफ लोगों के मन में बैठ गया था और यही कारण है कि लोग अब विमान के प्रकार को देखकर टिकट बुक कर रहे थे. अहमदाबाद घटना के बाद लोकल सर्वेल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार देश में 40 प्रतिशत से ज्यादा लोग अब एयरलाइंस द्वारा उपयोग किए जा रहे विमान के प्रकार की जांच करने के बाद टिकट बुक कर रहे हैं. इस सर्वेक्षण में 294 जिलों से 40 हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं.

साल 2022 में किए गए सर्वेक्षण में केवल 10 प्रतिशत लोगों ने बुकिंग से पहले विमान के प्रकार की जांच करने की बात कही थी. लेकिन अहमदाबाद में हुए हादसे के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 41 प्रतिशत हो गया है. सर्वेक्षण

में पाया गया कि लोगों ने बोइंग 787-8 के संचालन पर रोक लगाने की मांग उठाई थी. एयर इंडिया की दुर्घटना के बाद विश्व स्तर पर हुई कई घटनाएं सामने आई हैं. ऐसे में यात्रियों में विमान को लेकर चिंता बढ़ती दिखी. सर्वेक्षण में शामिल 56 प्रतिशत एयरलाइन यात्री इस बात के पक्ष में हैं कि सरकार को सभी मुद्दों की जांच व समाधान होने तक बोइंग 787-8 के संचालन पर रोक लगानी चाहिए. वहीं, 34 प्रतिशत लोगों ने कहा कि जब तक स्पष्ट सबूत नहीं मिल जाते, तब तक इसे उड़ाने से नहीं रोका जाना चाहिए. आंकड़ों के आलोक में बात करें तो वर्ष 2024 में दुनिया भर में हवाई यात्रा करने वालों की संख्या 475 करोड़ से अधिक थी. बीते साल ये आंकड़ा 5



एविएशन इंडस्ट्री का लक्ष्य है कि विमान हादसों में किसी की भी मौत ना हो. ये लक्ष्य इंडस्ट्री 2030 तक हासिल करना चाहती है. दुनिया भर में कुल कितने कमर्शियल प्लेन से जुड़े एक्सीडेंट हुए उसका पिछले 20 सालों का आंकड़े की बात करें तो 2005 में 119 विमान हादसे हुए, 2008 में संख्या बढ़कर 138 हो गई, 2012 में ये 100 से नीचे आ गई. 2016 में विमान हादसों की संख्या घटकर 75 हो गई, 2023 में कुल 66 विमान दुर्घटना हुई. यानि कि समय के साथ विमान दुर्घटना की संख्या में कमी आई है.

अरब से अधिक होने की उम्मीद है. ये आंकड़े संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी संस्था इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के हैं. 2005 में 824 लोगों ने विमान हादसों में जान गंवाई. 2008 में मरने वालों का आंकड़ा घटकर 524 हो गया. 2013 में मरने वालों की संख्या घटकर 173 हो गई लेकिन अगले साल यानी कि 2014 विमान हादसों के लिए काला साबित हुआ. इस साल 904 लोगों ने

अपनी जान गंवाई. 2020 में 298 लोगों ने अपनी जान गंवाई. 2023 में 72 लोगों की जान विमान हादसे में गई. साफ है कि विमान हादसे में मरने वालों की संख्या में समय के साथ काफी कमी आई है. एविएशन इंडस्ट्री का लक्ष्य है कि विमान हादसों में किसी की भी मौत ना हो. ये लक्ष्य इंडस्ट्री 2030 तक हासिल करना चाहती है. दुनिया भर में कुल कितने कमर्शियल प्लेन से जुड़े एक्सीडेंट हुए उसका पिछले 20 सालों का आंकड़े की बात करें तो 2005 में 119 विमान हादसे हुए, 2008 में संख्या बढ़कर 138 हो गई, 2012 में ये 100 से नीचे आ गई. 2016 में विमान हादसों की संख्या घटकर 75 हो गई, 2023 में कुल 66 विमान दुर्घटना हुई. यानि कि

हादसों की दर यानि कि प्रति 10 लाख उड़ान पर होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या कितनी रही. 2005 में ये दर 4.4 थी जो 2010 में घटकर 4.2 हो गई. 2015 में ये आंकड़ा घटकर 2.8 हो गया, 2020 में हादसे की दर घटकर 2.1 हो गई. 2023 में ये आंकड़ा 1.9 हो गया. साफ दिखता है कि पिछले 20 सालों में हादसों में कमी आई है. कब होते हैं हवाई हादसे ये प्रश्न बड़ा अहम है. मीडिया रिपोर्ट और जानकारी के मुताबिक आधे जानलेवा हादसे लैंडिंग-टेक ऑफ के वक्त होते हैं. 37 फीसदी जानलेवा हादसे लैंडिंग के समय हुए. टेक ऑफ करते हुए 13 फीसदी जानलेवा हादसे हुए.लैंडिंग के लिए फाइनल अप्रोच करते समय 10 फीसदी हादसे हुए. विमान जब उड़ान की शुरुआत के बाद ऊंचाई पकड़ता है और फ्लैप्स बंद करता है, ये समय भी जानलेवा हादसों के लिए 10 फीसदी जिम्मेदार है. समाल उड़ान के समय भी 10 फीसदी हादसे टैक्सी, लोड/अनलोड, पार्किंग, टो करते समय भी 10 फीसदी जानलेवा हादसे होते हैं. प्रारंभिक चढ़ान के समय 7 फीसदी जानलेवा हादसे हुए हैं. नीचे उतरते समय यानी जब विमान लैंडिंग के लिए ऊंचाई कम करता है तब 3 फीसदी जानलेवा हादसे हुए.

देश में हवाई सुरक्षा की स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं है. मई-जून, 2025 में सिर्फ उत्तराखंड में तीन हेलीकॉप्टर हादसे हुए हैं. संसदीय समिति ने हेलीकॉप्टर यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए कहा है कि पूरे देश में हेलीकॉप्टर सेवाओं के लिए एक सुरक्षा नियम तैयार होनी चाहिए. इस फ्रेमवर्क के आधार पर ही हर राज्य को हेलीकॉप्टर सेवा चलाने की अनुमति होनी चाहिए. इसमें किस क्षेत्र में किस तरह के पायलटों की नियुक्ति होनी चाहिए, इसका भी विवरण होना चाहिए. अभी नियमों को लेकर स्पष्टता नहीं है. राज्य सरकारें नियम बनाती हैं और केंद्र की इसमें सीमित भूमिका होती है. इससे सुरक्षा की व्यवस्था में कुछ खामियां रह जाती हैं.

बीते वर्ष साल यातायात, पर्यटन व संस्कृति पर गठित स्थाई संसदीय समिति ने अपने रिपोर्ट में कहा था कि, अगर हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाना है तो सरकार की तरफ से कई स्तरों पर कदम उठाने होंगे. इसके लिए नियामक संस्था नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को पूरी तरह से स्वायत्तता देनी होगी. विमान कंपनियों में कार्यरत पायलटों व चालक दल के अन्य सदस्यों को, एटीसी में काम करने वाले कर्मचारी व अधिकारियों के थकान का ख्याल रखना होगा यानी उन्हें एक निर्धारित समय से ज्यादा काम कराने की परंपरा खत्म करनी होगी. विमानन क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को दूर करने के लिए सरकार को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर दूर करने का कार्यक्रम चलाना होगा.

-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं.

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक :
लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ॥
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहू । भंगल सुगन अनुकूल सबाहू ॥
व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।
समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ॥
बालक इहै होइब ब्रम्ह य्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ॥
व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आशीर्वाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

भारत का निम्न मध्यम आय से उच्च मध्यम आय श्रेणी में अग्रसर होना

भारत आज अपने आर्थिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है. पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस गति से परिवर्तन और विस्तार देखने को मिला है, उसने न केवल देश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है. यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है.

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा. वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई. इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया. यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक

उल्लेखनीय सिद्ध हुई.यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे. इसके पश्चात मात्र सात वर्षों में, अर्थात वर्ष 2014 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया. इसके अगले सात वर्षों में, वर्ष 2021 तक यह तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया. सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केवल चार वर्षों के भीतर वर्ष 2025 में भारत ने चार लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा भी पार कर लिया. विभिन्न आर्थिक आकलनों के अनुसार आगामी दो से तीन वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है.

प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भी भारत की प्रगति इसी प्रवृत्ति को दर्शाती है. वर्ष 2009 में भारत की प्रति व्यक्ति आय के 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचने में 62 वर्षों का समय लगा था. किंतु इसके बाद केवल दस वर्षों अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गई. वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 2026 तक भारत में प्रति व्यक्ति आय 3,000 अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2030 तक 4,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है. इसी आधार पर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 तक भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से निकल कर उच्च मध्यम आय श्रेणी में प्रवेश कर जाएगा, जिस श्रेणी में आज चीन और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं. विश्व बैंक द्वारा विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें आगम्य आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय और उच्च आय शामिल हैं. वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी देश को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए उसकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करनी आवश्यक होती है. भारत ने वर्ष 2047 तक विकासित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है. इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 7.5 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर बनाए रखनी होगी. यह वृद्धि दर अत्यावहारिक नहीं मानी जा सकती क्योंकि पिछले 23 वर्षों के दौरान भारत की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रही है.

इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो सकता है. इसके पश्चात वर्ष 2047 तक उच्च आय श्रेणी में प्रवेश करने के लिए भारत को प्रति व्यक्ति आय को लगभग 18,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचाना होगा. इसके लिए आगामी 23 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 8.9 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी. यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसी आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, जिनका लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे तो यह लक्ष्य भी कठिन नहीं प्रतीत होता.

वैश्विक स्तर पर यदि तुलना की जाए तो 139 विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल छह देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भारत की तुलना में अधिक तेज गति से विकास कर पाई हैं. इसके बावजूद विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है. छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार सीमित होने के कारण उनकी प्रतिशत वृद्धि दर अधिक दिखाई देती है, किंतु जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ता है, वैसे-वैसे उच्च वृद्धि दर बनाए रखना कठिन होता जाता है. इस संदर्भ में भारत की आर्थिक उपलब्धियाँ और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं. विश्व बैंक के आँकड़े यह भी दर्शाते हैं कि वर्ष 1990 में विश्व में निम्न आय श्रेणी के देशों की संख्या 51 थी, जो वर्ष 2024 तक घटकर 26 रह गई है. इसी प्रकार निम्न मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या भी घटकर 50 रह गई है, जबकि उच्च मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 54 और उच्च आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है. यह परिवर्तन वैश्विक आर्थिक संरचना में हो रहे सकारात्मक बदलावों के स्पष्ट रूप से दर्शाता है.

चीन और गयाना जैसे देशों के उदाहरण इस प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट करते हैं. चीन वर्ष 1990 में मात्र 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी में था, किंतु वर्ष 2010 तक उसकी प्रति व्यक्ति आय अब बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और वह उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया. इसी प्रकार गयाना जैसे छोटे देश ने भी कुछ ही दशकों में निम्न आय श्रेणी से निकलकर उच्च आय श्रेणी में स्थान बना लिया. इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यदि उपयुक्त आर्थिक नीतियाँ, संसाधनों का सही उपयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद हो तो तीव्र आर्थिक परिवर्तन संभव है.

आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके तीसरे स्थान पर पहुँचने की पूरी संभावना है. अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत की अर्थव्यवस्था पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2035-36 तक दस लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है. इस संपूर्ण विकास यात्रा में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पाँच परिवर्तन कार्यक्रम, जिसमें नागरिक कर्तव्यों का पालन, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषय शामिल हैं, यदि व्यापक स्तर पर अपनाए जाएँ तो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है. जब समाज, सरकार और संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करती हैं, तभी किसी राष्ट्र का समग्र और संतुलित विकास संभव हो पाता है. (लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ एवं स्तम्भकार हैं.)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

आपको जन्मदिन की हादक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 31 जनवरी है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह राहु है. इस माह का अधिपति ग्रह शनि है. आपके ऊपर शनि एवं राहु ग्रह का सम्मिलित प्रभाव आजीवन बना रहेगा. आपका जीवन गतिशील रहेगा. आप कोई भी कार्य करें उसमें एक बार व्यवधान अवश्य उत्पन्न होगा. कठिन परिश्रम से ही आप सफल हो सकेंगे. आपके जीवन में अप्रत्याशित रूप से अनेकों बार घटनाएं घटित होंगी. आप अपने कार्य में विलम्ब या व्यतिक्रम पसन्द नहीं करेंगे. सामाजिक कृत्यों में भी आपकी रुचि रहेगी. आप अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम होंगे. आपमें समझने की शक्ति अधिक रहेगी. आप अपने जीवन में अनुशासन व कर्तव्यपालन को अधिक महत्व देंगे. आप किसी के भी विश्वासपात्र रहेंगे. आप स्वतन्त्र निर्णय नहीं ले पायेंगे. बाहरी आडम्बरो व तड़क-भड़क आप अधिक रुचि लेंगे. आप अपने जीवन को व्यवस्थित करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे. भोग-विलासिता के निमित्त अधिक व्यय करेंगे. आपका दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. जनकल्याण की भावना भी रहेगी. सुख-सुविधि हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की आराधना अवश्य करें. अपने दैनिक जीवन में चित्र-विचित्र चमकीले रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. शनिवार के दिन काले रंग की वस्तुओं का दान भी करें. राहु वंश गले में धारण करें. अपनी परम्परा के अनुसार धर्म का पालन करें. अपने हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेंवें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

मन्त्र	:	ॐ रां राहुर्वे नमः	मास	:	फरवरी, जून एवं अगस्त	यंत्र <table> <tr> <td>13</td> <td>8</td> <td>15</td> </tr> <tr> <td>14</td> <td>12</td> <td>0</td> </tr> </table>	13	8	15	14	12	0
13	8	15										
14	12	0										
व्रत	:	शनिवार	वर्ष	:	4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67							
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	काला, भूरा एवं स्लेटी							
दिनांक	:	4, 13, 22, 31	जन्मरत्न	:	गोमेद							
अंक	:	1, 2, 7	उपरत्न	:	काला अकीक							

वर्ष का महत्वपूर्ण समय-21 मार्च से 28 अप्रैल, 10 जुलाई से 20 अगस्त

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

	सेष : आज रात्रि 8/02 बजे तक व्यवस्थित, परिस्थितियाँ अनुकूल, मित्रों से सहयोग, लाभ का सुयोग, शेष समय विपरीत, कार्य अधूरे, मान-सम्मान में कमी, वाद विवाद.
	वृषभ : कार्य-व्यवसाय में सफलता, धर्म में आस्था, मनोरंजन की ओर रुचि, पावारिक खुशी, मित्रों परिजनों के सहयोग से बकाए धन की प्राप्ति, दाम्पत्य जीवन में मधुरता.
	मिथुन : स्वास्थ्य अनुकूल, कार्य प्रगति पर, आमोद-प्रमोद, ज्ञान-विज्ञान की ओर रुचि, सेंट समಾಗम, नूतन-पुरातन मित्रों से योजना पर विचार विमर्श, विवाद समापन.
	कर्क : आज रात्रि 8/02 बजे तक उलझने, आपसी संबंधों में कटुता, क्रोध की अधिकता, धन हानि, कष्ट भी, शेष समय आशाजनक, सामाजिक गतिविधियों में रूझान.
	सिंह : आज रात्रि 8/02 बजे तक विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, परिश्रम के अनुरूप सफलता, शेष समय असंतोषजनक, विवाद की आशंका, जीवनसाथी से कुछ कष्ट.
	कन्या : विचाराधीन योजना कार्य रूप में परिणित, आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त, आपसी सलाह से कामयाबी, सामाजिक गतिविधियों की ओर अभिरुचि, खुशी भी.

	तुला : कठिनाइयों की निवृत्ति, मनोवांछित सफलता का सुयोग, धन की प्राप्ति, आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता, धार्मिक क्रियाकलापों में रुचि, दूर या सफर की यात्रा का प्रसंग.
	वृश्चिक : आज रात्रि 8/02 बजे तक कार्यों के प्रति उदासीनता, परिस्थितियों में व्यतिक्रम, हानि की आशंका, शेष समय आशाानुकूल, व्यापार में धन निवेश, सुसमाचार की प्राप्ति.
	धनु : स्वास्थ्यसुख अनुकूल, कार्य प्रगति पर, आमोद-प्रमोद, आरोग्य सुख, व्यावसायिक प्रगति, धन लाभ, प्रसन्नता, शेष समय प्रतिकूल, आर्थिक हानि, पारस्परिक संबंधों में कटुता, यात्रा कष्ट
	मकर : व्यावसायिक अनुकूलता, पारिवारिक कठिनाइयों के निवारण हेतु नवप्रयास आवश्यक, मनोविनोद का सुयोग, श्रेष्ठजनों के सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त, लाभ भी.
	कुम्भ : आर्थिक प्रगति, नवयोजना पर मित्रों-स्वजनों से विचार विमर्श, सुसंदेश की प्राप्ति से हर्ष, मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति, संभावित यात्रा सुखद, वादविवाद का समापन.
	मीन

न्यूज कॉर्नर

बंगीय स्वर्ण शिल्पी समिति, हावड़ा शाखा की नई कार्यकारिणी समिति का गठन



हावड़ा: बंगीय स्वर्ण शिल्पी समिति की हावड़ा शाखा अंतर्गत जी. टी. रोड, की. गार्डन एवं बेलिलियस रोड शाखा की नई कार्यकारिणी समिति का गठन दिनांक 29 जनवरी 2026 को हावड़ा स्थित पुष्पांजलि बैंकेट हॉल में आयोजित विधिवत निर्वाचन के माध्यम से संपन्न हुआ.इस निर्वाचन में सर्वसम्मति से माननीय आनंद साव जी को अध्यक्ष, माननीय रमेश साह जी को उपाध्यक्ष तथा माननीय संतोष साह जी को सचिव पद हेतु निर्वाचित किया गया .नवगठित कार्यकारिणी समिति संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति, स्वर्ण शिल्पी समाज के हितों की रक्षा एवं समिति के सुव्यवस्थित संचालन हेतु पूर्ण निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी. समिति के उद्धान एवं प्रगति के लिए सभी कार्यकारिणी सदस्य नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ समन्वय एवं सहयोग से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे.इस अवसर पर समिति के सदस्यों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं तथा उनके सफल एवं सार्थक कार्यकाल की मंगलकामना की गई.

उप विकास आयुक्त ने की ऑन द स्पॉट अबुआ आवास की अनुशंसा



धनबाद : उप विकास आयुक्त सत्री राज ने धनबाद प्रखंड अंतर्गत दामोदरपुर एवं धोखरा पंचायत का औचक निरीक्षण किया. इस क्रम में उन्होंने सम दौरान उन्होंने देखा कि एक महिला का घर अत्यंत जर्जर अवस्था में है. उन्होंने महिला से बातचीत की. बातचीत के क्रम में पता चला कि महिला के पति ने उसे छोड़ दिया है और वह अकेले ही लंबे समय से उक्त जर्जर घर में अकेली रहती है. इस पर त्वरित संहान लेकर उप विकास आयुक्त ने ऑन द स्पॉट महिला को अबुआ आवास देने की अनुशंसा की. इसके बाद उन्होंने दामोदरपुर के आयुष्मान आरोग्य मन्दिर एवं पंचायत भवन का भ्रमण किया.मौके पर जिला समन्वयक सुशांत कुमार, संबंधित प्रखंड के प्रखंड समन्वयक एवं संबंधित पंचायत के पंचायत सेवक, सत्यापन कर्ता तथा मुखिया उपस्थित थे.

विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन



महेशपुर (पाकुड़): प्रखंड संसाधन केंद्र गढ़बाड़ी में प्रखंड साधन सेवी हरि शरण चौबे के सेवानिवृत्त पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुधा कुमारी, पूर्व बीईईओ मिलन कुमार घोष मुख्य रूप से उपस्थित थे. सेवानिवृत्त साधन सेवी हरि शरण चौबे शिक्षा विभाग में लगातार 20 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे थे. वे अगस्त 2005 से जनवरी 2026 तक अटूट रूप से दिए उनकी सेवा शिक्षा विभाग में सराहनीय रहा है. स्वयं के विदाई भाषण चौबे ने कहा कि विभागीय कार्यों के अतिरिक्त चुनाव कार्य में सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में एवं स्वास्थ्य विभाग में, मनरेगा में एवं अन्य कई विभागों का कार्य किया गया. जिला और राज्य में लग्न के साथ सेवा किया. पाकुड़ पिछड़े जिले से कई मामले में उपायुक्त महोदय के नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है. लेकिन 20 वर्ष की सेवा के बाद भी सरकार की उदासीन रवैया के कारण एक बीआरपी को सेवानिवृत्ति के पश्चात भी खाली हाथ जाना पड़ रहा है. बीपीओ श्याम डाग्रू के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह समापन की घोषणा की गई. साथ ही चौबे को बीआरसी परिवार के सदस्यों द्वारा उपहार प्रदान कर विदाई की गई. विदाई सह सम्मान समारोह में प्रखंड में कार्यरत सभी बीआरपी, सीआरपी एवं प्रखंड के कर्मिण उपस्थित थे.

साइकिल से जा रहे एक व्यक्ति को ऑटो ने मारा टक्कर



बरहेट : बरहेट थाना क्षेत्र में शुक्रवार को देर शाम भोगनाडीह मुख्य सड़क पर लड़ा धूट गांव के समीप बरहेट हाट से अपना घर जा रहे बुधराई टुडू को अज्ञात ऑटो ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. मिली जानकारी के अनुसार जसीडीह तलबारियां गांव के निवासी बुधराई टुडू उम्र 25 अपने निजी काम करके अपने घर वापस जा रहा था। तभी बड़ा धुट के समीप किसी ऑटो वाले ने पीछे से जोर टक्कर मार दिया। जिससे बुधराई टुडू को सड़ पे गंभीर चोट लग गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के मदद से घायल को बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पे डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया खबर लिखे जाने तक इलाज चल रहा था.

कूचबिहार: डंपर के बोझ से दहा गिरिधारी सेतु, शीतलकुची-सिताई मार्ग पर आवागमन ठप

कूचबिहार : कूचबिहार जिले के शीतलकुची अंतर्गत लालबाजार ग्राम पंचायत के बारोमासी इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया. यहाँ भारी मालवाहक डंपर के गुजरने के दौरान गिरिधारी सेतु अचानक भरभरा कर दह गया. इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव और उत्तेजना का माहौल है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार सुबह एक भारी डंपर शीतलकुची से स्यानीय की ओर जा रहा था. जैसे ही डंपर ने गिरिधारी सेतु पर चढ़ना शुरू किया, जर्जर हो चुका पुल डंपर का भार सह नहीं पाया और बीच से टूटकर गिर गया. गनीमत यह रही कि इस हादसे में अब तक किसी के हताहत होने के खबर नहीं मिली है, लेकिन पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है.पुल गिरने की घटना ने स्थानीय लोगों के गुस्से को भड़का दिया है. ग्रामीणों का आरोप है कि:यह सेतु बहुत पुराना था और लंबे समय से बेहद जर्जर और कमजोर स्थिति में था.प्रशासन को इसकी स्थिति के बारे में पता था, फिर भी पुल पर भारी वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए कोई निषेध नोटिस या बोर्ड नहीं लगाया गया था.बिना किसी चेतावनी के भारी वाहनों का आवागमन जारी रहने के कारण ही यह हादसा हुआ.पुल टूटने के कारण शीतलकुची और सिताई के बीच सीधा संपर्क टूट गया है. इससे दैनिक यात्रियों, स्कूली बच्चों और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है. स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नए पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे

झारखंड व आसपास

प्रत्याशी अपना दस्तावेज करें

दुरुस्त, नहीं तो हो जाएंगे वंचित

पाकुड़: नगर निकाय चुनाव हेतु नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है. प्रथम दिन एक भी नामांकन नहीं हुआ. गाइडलाइन का करे फॉलो नहीं तो हो जाएंगे आउट: नगर निकाय चुनाव में यदि आप अपनी भाग्य आजमाइश कर रहे हैं प्रत्याशी बनने की चाह रख रहे हैं तो प्रावधानों की जानकारी हासिल कर ले अन्यथा थोड़ी सी कोताही या लापरवाही आपको भारी पड़ सकता है और आप प्रत्याशी बनने से वंचित हो सकते हैं. आपकी भी उमीद्वारी रह हो सकती है. ***प्रत्याशी बनने के लिए क्या है जरूरी नियम***नामांकन के समय प्रत्याशी अपने साथ केवल तीन व्यक्ति को 11:00 से 3:00 बजे के बीच नॉमिनेशन फाइल करने के लिए इजाजत है. **नो डबल्यु सर्टिफिकेट जरूरी:** नगर निकाय चुनाव में खड़े होने वाले प्रत्याशी को नगर परिषद से नो डब्लू सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा. जो यह प्रमाणित कर संकेता कि आपके पास किसी प्रकार की होल्डिंग टैक्स वॉटर टैक्स या अन्य 2024 - 25 तक का बकाया नहीं है.**दो संतान का नियम पालन करना जरूरी है:**झारखंड नगर पालिका अधिनियम के



अनुसार 9 फरवरी 2013 के बाद यदि किसी प्रत्याशी की तीसरी संतान है तो वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य माना जाएगा. नॉमिनेशन फाइल करते समय इस बात की शपथ पत्र देना आवश्यक होगा.प्रत्याशी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना चाहिए. इसके लिए वे मैट्रिक या जम्म प्रमाण पत्र का फोटोकॉपी संलग्न कर सकेंगे. **अपनी संपत्ति एवं योग्यता की जानकारी देनी**

होगी:चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशी को फार्म 26 भरना अनिवार्य है. इसमें प्रत्याशी को अपनी चल अचल संपत्ति, नगद राशि एवं बैंक बैलेंस, खुद पर दर्ज आपराधिक मुकदमों तथा शैक्षणिक योग्यता सार्वजनिक करनी होगी. **आरक्षण की स्थिति स्पष्ट करनी होगी:** यदि आप आरक्षित सीट से दावेदारी करते हैं तो इसके लिए आपको सक्षम पदाधिकारी एसडीओ या डीसी द्वारा

3 फरवरी से मैट्रिक व इंटर की परीक्षा प्रारंभ तैयारी जोरों पर

पाकुड़: जिले में आगामी 03 फरवरी से प्रारंभ होने वाली मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी परीक्षा केंद्र अधीक्षक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे.जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पुरती ने बताया कि जिलें में मैट्रिक परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 7989 व इंटर परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 4502 है. मैट्रिक परीक्षा को लेकर कुल 21 केंद्र एवं इंटर परीक्षा के लिए 08 केंद्र बनाया गया है. उपायुक्त मनीष कुमार ने निर्देश दिया कि प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं को सीसीटीवी निगरानी



में सुरक्षित रखा जाए. परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, पेयजल सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की और सुविधा न हो. परीक्षा का संचालन पूरी तरह सीसीटीवी निगरानी में किया जाएगा. परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटे पूर्व संबंधित परीक्षा केंद्र

तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों को झारखंड अधिविद्य परिषद (जेक) द्वारा जारी दिशा- निर्देशों का गहन अध्ययन कर उसके अनुरूप परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियों का पूर्व मूल्यांकन कर लिया जाए.

साथ ही प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की व्यवस्था आवश्यक हो.पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी ने सभी केंद्राधीक्षकों को अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक कर्मियों को तत्काल दूर करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य इस परीक्षा से जुड़ा हुआ है, इसलिए शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराना सभी संबंधित पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, मुख्यालय डीएसपी श्री जितेंद्र कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पुरती, जिला स्तरीय पदाधिकारी सह पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट/ स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केन्द्राधीक्षकों समेत अन्य उपस्थित थे.

सिलीगुड़ी में शुरू होगा 42वां उत्तर बंगाल पुष्प प्रदर्शनी

सिलीगुड़ी: उत्तर बंगाल का सबसे लोकप्रिय और बहुप्रतीक्षित 42वां नॉर्थ बंगाल पुष्प प्रदर्शनी आगामी पांच फरवरी से शुरू होने जा रहा है. सिलीगुड़ी हॉर्टिकल्चर सोसाइटी की ओर से शुक्रवार को एक पत्रकार सम्मेलन कर इसकी घोषणा की गई .पत्रकार सम्मेलन में बताया गया कि यह प्रदर्शनी आगामी पांच फरवरी से दस फरवरी तक आयोजित होगी. प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह दस बजे से रात नौ बजे तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी. वर्ष करीब तीन हजार गमलों के फूलों के साथ भव्य और रंग-बिरंगी प्रदर्शनी लगाई जा रही है. महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन पांच फरवरी को सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर गीतम देव करेंगे. कार्यक्रम में डिप्टी मेयर रंजन सरकार सहित कई गणमान्य व्यक्ति विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे. इस दौरान पश्चिम बंगाल सरकार के उद्घान पालन विभाग के सहयोग से फूलों की खेती और विपणन पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा.इसके अलावा हरित पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी. महोत्सव में किसानों के लिए एक विशेष मंच बनाया गया है,

छूटे हुए टोलों में जलापूर्ति योजनाओं के निर्माण की प्रगति पर सचिव की समीक्षा

युवाशक्ति न्यूज पटना:सचिव, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पंकज पाल की अध्यक्षता में लोक स्वास्थ्य प्रमंडल मधुबनी एवं झंझारपुर अंतर्गत संचालित जलापूर्ति योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारियों के साथ-साथ संवेदक भी उपस्थित रहे.समीक्षा के दौरान सर्वप्रथम हर घर नल का जल योजना अंतर्गत छूटे हुए टोलों में संचालित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई. सचिव द्वारा सभी संबंधित योजनाओं का कार्य इस वर्ष मई माह तक पूर्ण करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया. इस दौरान यह पाया गया कि कई जलापूर्ति योजनाओं के निर्माण में भूमि की उपलब्धता से संबंधित समस्याएँ सामने आ रही हैं. इस पर संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर अविलंब बाधाओं को दूर करते हुए साइट क्लियर कर संवेदकों को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया, ताकि कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सके. सचिव द्वारा स्पष्ट किया गया कि जलापूर्ति योजनाओं का निर्माण किसी भी स्थिति में भूमि अनुपलब्धता की समस्या के कारण बाधित नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी अड़चनों

की निगरानी जिला प्रशासन के साथ-साथ मुख्यालय स्तर से भी उच्च स्तर पर दैनिक आधार पर की जाएगी.बैठक के दौरान सभी संवेदकों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र के प्रत्येक प्रखंड में अनिवार्य रूप से इन्वेंट्री स्टोर की स्थापना सुनिश्चित करें. यह इन्वेंट्री स्टोर जीआईएस मैपिंग के साथ इन्वेंट्री आधारित होगा, जिससे सामग्री की उपलब्धता एवं उपयोग पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके.इसके अतिरिक्त सभी संवेदकों को नियमित मरम्मतित दल में आवश्यकता के अनुसार कार्यबल बढ़ाने का निर्देश दिया गया, ताकि जलापूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान में विलंब न हो. साथ ही कार्य बल की सम्पूर्ण जानकारी विभागीय एमआईएम पर भी अपलोड करना होगा. सभी कार्यपालक अभियंताओं को इस व्यवस्था की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया गया तथा यह भी स्पष्ट किया गया कि निगरानी तथा मरम्मत दल से संबंधित अपलोड किए गए जानकारी में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों ता संवेदकों के विरुद्ध अग्रतर कार्रवाई की जाएगी.समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि कई

संवेदकों द्वारा जलापूर्ति से संबंधित दर्ज शिकायतों का समयबद्ध निवारण नहीं किया जा रहा है. इस संबंध में सचिव द्वारा निर्देश दिया गया कि यदि संचालन एवं रख-रखाव नीति के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा में शिकायतों का निष्पादन नहीं किया जाता है, तो संबंधित संवेदकों पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए.बैठक में विद्युत भूतलान की भी समीक्षा की गई, जिन संवेदकों द्वारा बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद विद्युत भूतलान में अपेक्षित प्रगति नहीं लाई जा रही है, ऐसे संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करते हुए उनके सुरक्षा जमा से बकाया राशि को वसूली करने का निर्देश दिया गया.समीक्षा के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर कार्यपालक अभियंता, झंझारपुर, कार्यपालक अभियंता, मधुबनी तथा अधीक्षण अभियंता, दरभंगा का वेतन अवरुद्ध करते हुए आरोप पत्र गठित करने का निर्णय लिया गया.बैठक में विभागीय सचिव पंकज कुमार पाल,विशेष सचिव संजीव कुमार,अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव नित्यानंद प्रसाद, अग्रम कुशोर, मुख्य अभियंता मुजफ्फरपुर प्रक्षेत्र, संबंधित क्षेत्र के संवेदक एवं विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे.

संस्कृति की अद्भुत मिसाल है माघी पूर्णिमा मेला

आदिवासियों का महाकुंभ के नाम से जाना जाता है माघी मेला

(संवाददाता मनोज यादव)

राजमहल : प्रखंड में पवित्र उत्तर वाहिनी गंगा तट पर सैकड़ों वर्षों से अधिक से लगने वाले राजकीय माघी मेला की तैयारी पूरी आदिवासी सपा होइ समुदाय के लोग अपने धर्म गुरु के साथ अपने अपने कुपाल से बने हुए पंडाल में माघी मेला आदिवासी समुदाय के लिए खास है. मेला में लगने वाले गुरु बाबो का अखाड़ा एक अद्भुत नजारा पेश करता है. यह मेला आदिवासी, गैर आदिवासीयों की साजिश संस्कृति का अद्भुत मिसाइल है.गंगा स्नान पूजा अर्चना करने के लिए झारखंड के विभिन्न जिलों सहित पश्चिम बंगाल ब्रह्मपुर, उड़ीसा, नेपाल, सहित अन्य जगह से यहां श्रद्धालु पहुंचकर आस्था के डुबकी लगाते हैं. जिसे आदिवासियों का महाकुंभ के नाम से राजकीय माघी की पूर्णिमा मेला को जाना जाता है. जिसमें सापा होइ और विदिन समाज के आदिवासी अपने-अपने धर्मगुरु के साथ उत्तर वाहिनी गंगा तट पर अखाड़ा लगाकर अपने अपने इष्ट देवता की पूजा अर्चना करते हुए गंगा स्नान करते हैं. इसके अलावा अखाड़े में उनके साथ-साथ बैठने वाले शिष्य के साथ अन्य धर्मावलंबी भी होते हैं. गुरु शिष्य की परंपरा का ऐसा अनोखा वह प्राचीनतम उदाहरण शायद कहीं देखने



को मिले शिष्यों के शारीरिक आर्थिक व मानसिक कष्ट का निवारण गुरु बाबा अपने विशिष्ट आध्यात्मिक शैली से करते हैं. मान्यता के अनुसार माघी पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है. आदिवासी समाज के लोग परंपरागत वेशभूषा में सह परिवार यहां पहुंचते हैं आधुनिक चर्चाबंद से दूर विशेष कर सपा होइ और विदिन समाज के आदिवासी मेला के दौरान तामसिक भोजन से दूर रहते हैं. जैसे मांस, मछली, लहसुन, प्याज, अंडा, शराब, आदी. इस दौरान यह लोग शुद्ध शाकाहारी भोजन का सेवन करते हैं. सूर्योदय के

पहले गंगा नदी में स्नान के लिए प्रवेश करते हैं. और घंटों पानी में खड़े होकर सूर्य उपासना के बाद भीगे के वक्त में एक कांसे के लोटे में गंगाजल लेकर अपने-अपने अखाड़ा पहुंचते हैं और मांझी हाराम यानी शिव गुरु की पूजा त्रिशूल व तुलसी रख कर शिव भगवान के फोटो स्थापित कर पूरे विधि विधान से करते हैं. सफाहोइ समुदाय के लोग अपने-अपने गुरु बाबाओ के प्रति अपार श्रद्धा और विश्वास व्यक्त करते हुए अपना सब कुछ गुरु के चरणों में समर्पित कर देते हैं और गुरु उनके सुख समृद्धि व शांति के लिए मांझी हडाम यानी शिव गुरु से आशीष मांगते हैं. विदिन समाज के लोग मिट्टी के मांझी थान और जाहेर थान बनाकर पूजा अर्चना करते हैं.कुछ वर्ष पहले ही स्थाई मांझी थान की स्थापना की गई है.जहां यह लोग अपनी श्रद्धा और भक्ति का परिचय देते हुए पूजा अर्चना करते हैं.इस वर्ष मेला 31 जनवरी 6फरवरी तक सरकारी अव्योजन हो रहा है जिसे लेकर गुरु बाबाओं के भक्त, शिष्य अन्य लोग मिलकर अखाड़े की तैयारी शुरू कर दी है. मेला को लेकर प्रशासन की ओर से जोर सोर से तैयारी की जा रही है. मेला आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसका ध्यान रखा जा रहा है.

युवा शक्ति 5

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया गया

महेशपुर (पाकुड़): महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर में कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया गया. इस दौरान डा. पंकज बीराजी की नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों ने महात्मा गांधी के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा दिए गए कुष्ठ रोगियों से भेदभाव नहीं करने की शपथ ली. सभी स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कुष्ठ रोगियों से भेदभाव नहीं करने और कुष्ठ बीमारी को समाप्त करने का संकल्प लिया गया. डा. पंकज बिराजी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को कुष्ठ दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि महात्मा गांधी कुष्ठ रोगियों के प्रति पूरी तरह सहृदय एवं सेवा की भावना रखते थे. इस मौके पर शैलेश कुमार, मनीष कुमार, राजेश रंजन, शोभत अली, गोलांम गौस के अलावे अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे.

स्वास्थ्य कर्मियों ने ली कुष्ठ मुक्त समाज बनाने की शपथ



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को तालझारी स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रंजन कुमार एवं समस्त स्वास्थ्य कर्मियों ने बापू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें आभरीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस पावन अवसर पर आज से 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान' का विधिवत शुभारंभ किया गया.कार्यक्रम के दौरान प्रभारी डॉ

रंजन कुमार ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को शपथ दिलाई कि वे अपने गांव और समाज को कुष्ठ रोग से मुक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. उपस्थित कर्मियों ने एक स्वर में हाथ मिलाओ, कुष्ठ मिटाओ और झारखंड ने ठाना है. कुष्ठ रोग मिटाना है के नारे लगाकर समाज से इस बीमारी को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया.इस अभियान के तहत अब स्वास्थ्य विभाग की टीम सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों को शपथ पत्र पढ़कर समाज में कुष्ठ रोगियों के प्रति भेदभाव को समाप्त करना है. लोगों को जागरूक किया जाएगा कि प्रभावित मरीजों के साथ खाने-पीने, उठने-बैठने और घूमने में किसी भी प्रकार का भेदभाव न करें, क्योंकि कुष्ठ छूने से नहीं फैलता और यह पूरी तरह इलाज योग्य है. मौके पर बीपीएम विजय कुमार, लेखापाल देव नारायण रविदास, अमरेंद्र कुमार, पवन वर्मा एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे.

शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को किया नमन



पाकुड़: शहीद दिवस के अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार एवं सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा तथा उपाधीक्षक, सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार ने सर्वप्रथम सदर अस्पताल परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया.इसके पश्चात कुष्ठ रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट जागृति के तहत स्पर्श कुष्ठ जागरूकता रथ को समाहरणालय परिसर से संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.कुष्ठ रोग के प्रति समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है. इस अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आमजनों को कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, इसके प्रारंभिक लक्षणों की पहचान एवं समय पर उपचार के लिए जागरूक किया जाएगा. उपायुक्त ने बताया कि जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों में भ्रमण कर लोगों को कुष्ठ रोग के लक्षणों की जानकारी देगा तथा रोग की पहचान होते ही नि:शुल्क मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) लेने के लिए प्रेरित करेगा. साथ ही लोगों को आवश्यक सावधानियों के पालन, समय पर जांच कराने एवं नियमित उपचार के माध्यम से कुष्ठ रोग को पूर्णतः ठीक किए जाने की जानकारी दी जाएगी. उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग पूरी तरह से उपचार योग्य बीमारी है तथा समय पर इलाज से इससे होने वाली लक्षणोंता को रोकना जा सकता है. निरीक्षण के दौरान उन्होंने एमडीसी सेंटर का जायजा लिया तथा मरीजों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली. इस क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए.

इंदु देवी ने किया महापौर के लिए नामांकन



धनबाद : नगर निकाय चुनाव में अखिलेश्वर महतो तथा इंदु देवी ने महापौर के पद के लिए आज नामांकन किया. उन्होंने महापौर पद के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी बाल किशोर महतो तथा सहायक निर्वाची पदाधिकारी विशाल कुमार पांडेय के समक्ष नामांकन दाखिल किया. साथ ही महापौर के सात, अध्यक्ष पद के चार नामांकन पत्रों की हई बिन्की. वहीं चिरकुड़ा नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए 4 नामांकन पत्रों की बिन्की हुई. महापौर के पद के लिए 2 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया. जबकि चिरकुड़ा नगर परिषद के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद तथा धनबाद नगर निगम के वार्ड पार्षद के लिए एक भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया. धनबाद नगर निगम के वार्ड 1 से 5 तक 14, वार्ड 6 से 10 तक 7, वार्ड 11 से 15 तक 9, वार्ड 16 से 20 तक 7, वार्ड 21 से 25 तक 10, वार्ड 26 से 30 तक 8, वार्ड 31 से 35 तक 9, वार्ड 36 से 40 तक 5, वार्ड 41 से 45 तक 11, वार्ड 46 से 50 तक 6 एवं वार्ड संख्या 51 से 55 तक 17 नामांकन पत्रों की बिन्की हुई. प्रत्याशियों के मार्गदर्शन के लिए नामांकन पत्रों के बिन्की काउंटर पर स्पष्ट इनस्ट्रक्शंस बोर्ड के साथ विशेष काउंटर बनाए गए हैं. वहीं नामांकन के लिए मुख्य प्रवेश द्वार एवं भवन के अंदर स्पष्ट दिशा निर्देश के साथ साइन बोर्ड लगाए गए हैं.

पांचवें टी20 मैच में सैमसन की फॉर्म और अक्षर की फिटनेस पर होगी नजर

तिरुवनंतपुरम: खिताब का प्रबल दावेदार भारत टी20 विश्व कप से पहले शनिवार को यहां जब न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने के लिए उतरेगा तो उसे उम्मीद रहेगी कि संजू सैमसन अपने घरेलू दर्शकों के सामने फॉर्म में वापसी करने और अक्षर पटेल फिटनेस हासिल करने में सफल रहेंगे. विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने प्रयोग करते हुए पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया तथा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई. भारत यह मैच हार गया था लेकिन इससे श्रृंखला के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि भारतीय टीम पहले ही इसे अपने नाम कर चुकी थी. जैसा कि श्रृंखला के पिछले मैचों में देखा गया, भारत अपने गेंदबाजी विभाग में एक बार फिर फेरबदल कर सकता है. भारतीय टीम प्रबंधन पिछले दो मैचों में आराम देने के बाद मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दे सकता है. बल्लेबाजी विभाग में शायद ज्यादा बदलाव न हों, लेकिन टीम प्रबंधन सैमसन पर नजर रखेगा. अपनी निर्भीक बल्लेबाजी के लिए मशहूर सैमसन इस श्रृंखला में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं. उनकी फॉर्म के बजाय उनकी तकनीकी कमजोरी चिंता का विषय है जिससे उनका आत्मविश्वास भी डगमगा गया है. वह सात फरवरी से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे. सैमसन अब अपनी गृह नगर में खेलेंगे और यहां के अपने समर्थकों के सामने शायद वह अपनी खोई हुई लय को फिर से प्राप्त कर लें. टीम के आगमन के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड



हुए देखा गया, जहां सैकड़ों प्रशंसक सैमसन और उनके साथियों की एक झलक पाने के लिए कतार में खड़े थे. ईशान किशन के रूप में भारतीय टीम के पास सैमसन का मजबूत विकल्प मौजूद है. उन्होंने इस श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन

किया है लेकिन इस विकेटकीपर बल्लेबाज को अज्ञात चोट के कारण पिछले मैच से बाहर बैटना पड़ा था. ऑलराउंडर अक्षर भी नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेलें हैं. बाएं हाथ के इस स्पिनर

मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा. न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से शैली, ताकत और गहराई से भरपूर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा.

न्यूजीलैंड की टीम बिल्कुल यह नहीं चाहेगी कि ऐसा हो. उसकी टीम पहले तीन मैचों में वे भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आई, लेकिन विशाखापत्तनम में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कामयाबी हासिल की. अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तुफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे. अब उन्हें पता चल गया है कि यह भारतीय टीम अजेय नहीं है और 3-2 का अंतर उन्हें आगामी बड़े मुकाबलों से पहले मानसिक रूप से मजबूत करेगा. ग्रीनफील्ड स्टेडियम में डेरॉन नबनेर रहे हैं. भारत ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है. लेकिन जैसा कि कप्तान मिचेल सैंटरन ने कहा, कीवी टीम अब जानती है कि भारत को हराने के लिए क्या करना जरूरी है. ऐसे में यहां एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा. सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को काफी मजबूती मिली है. न्यूजीलैंड की टीम हालांकि गेंदबाजी में सुधार की उम्मीद कर रही होगी. उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन टीम में शामिल है लेकिन वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा.

अभिषेक को दबाव में रखना हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण : हेनरी

तिरुवनंतपुरम: अभिषेक शर्मा भले ही दुनिया भर के गेंदबाजों के लिए बुरे सपने की तरह हों, लेकिन न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के पास इस भारतीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक सरल रणनीति है, लगातार सटीक गेंदबाजी करके उन्हें दबाव में रखना.



वापसी करते हैं और कैसे अपना प्रभाव डालते हैं यह महत्वपूर्ण होता है. हेनरी ने कहा, सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी टीम को यह मैच 50 रन से जीतने में मदद मिली थी. हेनरी ने यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, पिछले दो वर्षों से वह शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बल्कि आईपीएल में भी गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना कर रहे हैं.

मुझे लगता है कि हम उन पर किस तरह से दबाव बनाते हैं यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, गेंदबाजी के नजरिए से यह चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जब आप किसी ओवर में मिला-जुला प्रदर्शन करते हैं तो उसके बाद किस तरह से

सटीक गेंदबाजी करते हैं. आपको अपने काम में सटीक होना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करनी होगी. हेनरी ने उम्मीद जताई कि भारत के खिलाफ इस श्रृंखला में खेलना आगामी टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए उपयोगी साबित होगा.

अल्काराज़ ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न: विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई. इस तरह से 22 साल के अल्काराज चारों ग्रैंड स्लैम पर प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं. अब उनका लक्ष्य करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना होगा. अल्काराज को पांच में ऐंठन और खिंचाव के कारण पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में वह पांच घंटे 27 मिनट में 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-7 (4), 7-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे. स्पेन के खिलाड़ी अल्काराज ने अच्छी शुरुआत की लेकिन पहले दो सेट जीतने के बाद वह अगले दो सेट में टाइब्रेकर में हार गए. ज्वेरेव पांचवें और निर्णायक सेट में एक समय मैच के लिए सर्विस कर रहे थे लेकिन



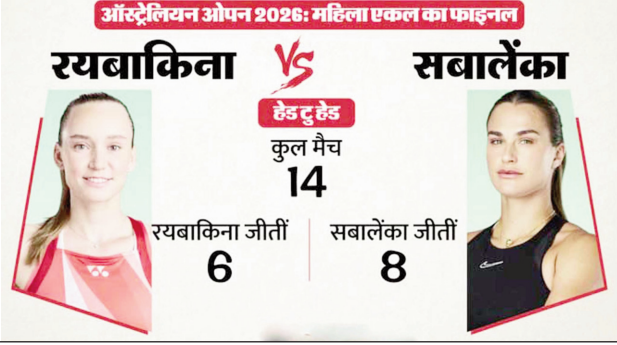
अल्काराज ने ब्रेक प्वाइंट लेकर वापसी की और फिर इसके बाद जर्मनी के अपने प्रतिद्वंद्वी को मौका नहीं दिया. अल्काराज का फाइनल में मुकाबला दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर या 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता नोवाक जोकोविच से होगा, जो 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं. अल्काराज ने जिस तरह से शुरुआत की थी उससे लग रहा था कि वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे लेकिन तीसरे सेट के नौवें गेम में वह लंगड़ाते लगे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में कोई समस्या है.

जब अपने प्रतिद्वंद्वी को इलाज के लिए तीन मिनट का ब्रेक दिया गया, तो ज्वेरेव स्पष्ट रूप से परेशान दिखे. तब तीसरी वरीयता प्राप्त यह खिलाड़ी टूर्नामेंट के एक अधिकारी से बात कर रहा था. अल्काराज ने इसके बाद 6-5 से बढ़त बना दी जिसके बाद उन्हें फिर से अपने पांच की मालिश करवानी पड़ी. ज्वेरेव हालांकि इस सेट को टाइब्रेकर तक खींचने में सफल रहे जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की. चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन ज्वेरेव टाइब्रेकर में फिर से कामयाब रहे और इस तरह से उन्होंने मैच को बराबरी पर ला दिया. चार घंटे से अधिक का समय बीतने के बाद मैच पांचवें सेट में पहुंचा. अल्काराज ने पांचवें सेट के पहले गेम में अपनी सर्विस गंवा दी. इस सेट के छठे गेम में रोमांच तब चरम पर पहुंच गया जब अल्काराज ने डूंग शॉट को लेने के लिए दीड़ लगाई और पूरी गति से स्लाइड करते हुए फोरहैंड विनर शॉट लगाया. इससे दर्शक खुशी से झूम उठे. अल्काराज ने आखिर में पांचवें सेट में 5-4 पर ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और फिर पहले मैच प्वाइंट को भुनाकर फाइनल में प्रवेश किया.

सबालेंका की मजबूत मानसिकता और रयबाकिना के दृढ़ संकल्प के बीच होगा मुकाबला

मेलबर्न: दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका शनिवार को यहां जब ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में एलिना रयबाकिना का सामना करने के लिए कोर्ट पर उतरेगी तो वह 2023 की अपनी सफलता के बजाय पिछले साल विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल में मिली हार के सबक से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी. यह उन तीन अन्य ग्रैंड स्लैम फाइनल जैसा भी नहीं होगा जो सबालेंका ने जीते हैं, जिनमें यूएस ओपन में हाल ही में जीता गया फाइनल भी शामिल है. सबालेंका 2025 में पांच टूर्नामेंट के फाइनल में हार गई थी और वह उनसे मिली सीख को अपना मजबूत पक्ष बनाना चाहती है. सबालेंका ने कहा, मैं जानती हूँ कि उन सभी फाइनल मैच में क्या गलती हुई थी जिनमें मैं हारी. पिछले साल मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, खुद के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला और इस सत्र में ऐसा दोबारा नहीं होगा.

सबालेंका को पिछले साल फाइनल में मिली हार की सूची में नवंबर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का निर्णायक मुकाबला भी शामिल है, जब वह रयबाकिना से तीन सेटों में हार गई थीं जिन्होंने पुरस्कार राशि के रूप में रिकॉर्ड 5.2 मिलियन डॉलर जीते थे पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मैडिसन कीज़ ने सबालेंका के साथ किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है. उन्होंने सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना के खिलाफ जीत में यह कर दिखाया, जब चौथे गेम में फाइनल में मैडिसन कीज़ ने सबालेंका



को हराकर मेलबर्न पार्क में उनकी 20 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया था. फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें कोको गॉफ से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा. उन्हें स्टेटार्ट और इंडियन वेल्स के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था.

सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलती हूँ, इस फाइनल के लिए मेरा यही दृष्टिकोण है. सबालेंका और रयबाकिना ने फाइनल तक पहुंचने के लिए अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है. 2008 के बाद से किसी ग्रैंड स्लैम में ऐसा नहीं हुआ है. मॉस्को में जर्मनी लैकिन कज़ाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाली रयबाकिना सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला के खिलाफ मिली जीत की लय को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. इन दोनों खिलाड़ियों के बीच यहां 2023 में भी फाइनल खेला गया था. तब रयबाकिना ने पहला सेट जीता, लेकिन फिर 4-6, 6-3, 6-4 से हार गई. इसके बाद यह उनका पहला बड़ा फाइनल होगा. रयबाकिना ने कहा, हां, (2023 का फाइनल) हमने यहीं खेला था, मुकाबला बहुत करीबी था. वह अब पुरानी बात है. उसके बाद बहुत सारे मैच खेले गए. उम्मीद है कि पिछले मैच से और यहां खेले गए आखिरी फाइनल से मुझे जो अनुभव मिला है, उसे मैं शनिवार के मैच में इस्तेमाल करूंगा. उम्मीद है कि इस बार जीत मेरी होगी.

गुटबाजी से जूझ रहा टीटीएफआई, मंत्रालय के नोटिस के बाद मार्च में कराएगा राष्ट्रीय प्रतियोगिता

नई दिल्ली: भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएआई) ने ताजा प्रशासनिक खींचतान के बावजूद विलंबित सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता को मार्च में आयोजित करने का फैसला किया है. पिछले महीने खेल मंत्रालय द्वारा टीटीएफआई को कारण बताओ नोटिस जारी कर दबाव बढ़ाए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया. सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता आमतौर पर दिसंबर या जनवरी में आयोजित होती है लेकिन अब इसका आयोजन 15 से 22 मार्च तक इंदौर में किए जाने की उम्मीद है. खेल मंत्रालय ने 24 दिसंबर के नोटिस में टीटीएफआई से पूरे सत्र का कैलेंडर तैयार नहीं करने के बारे में सवाल किया था और इसे एक राष्ट्रीय महासंघ के तौर पर उसकी मान्यता के संस्थान करने वाले बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन बताया था. पैरा राष्ट्रीय प्रतियोगिता भी फरवरी के आखिरी सप्ताह में इंदौर में होने की संभावना है जबकि गांधीधाम में



24-31 मार्च तक कैंडेट और सब-जूनियर राष्ट्रीय टूर्नामेंट होने की संभावना है. खेल मंत्रालय के कारण बताओ नोटिस के बाद 17 जनवरी को अब निर्लंबित सचिव कमलेश मेहता द्वारा बुलाई गई विशेष आम बैठक में कैलेंडर को मंजूरी दी गई थी. हालांकि अध्यक्ष मेघना अहलावत ने उस बैठक को संवैधानिक रूप से

अमान्य बताया. फिर अहलावत द्वारा 28 जनवरी को नयी दिल्ली में बुलाई गई आम सालाना बैठक में पूर्व भारतीय खिलाड़ी मेहता को सचिव पद से निर्लंबित कर दिया गया. मेहता बैठक में शामिल नहीं हुए और उन्होंने इसे असंवैधानिक बताया हुए कहा कि केवल सचिव के पास ही आम सालाना बैठक बुलाने का अधिकार है. अहलावत और मेहता के नेतृत्व वाले गुटों के बीच मतभेद दिसंबर 2022 में उनके चुनाव के बाद से बरकरार रहे लेकिन अब वे खुलकर सामने आ गए हैं. टीटीएफआई में प्रशासनिक गड़बड़ियां कोई नयी बात नहीं हैं. फरवरी 2022 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय महासंघ की दयनीय स्थिति को देखते हुए टीटीएफआई को निर्लंबित कर दिया था और उसके दिन-प्रतिदिन में प्रशासनिक गड़बड़ियों की देखभाल के लिए प्रशासकों की एक समिति (सीओए) नियुक्त की थी.

कारोबार

वायदा कारोबार में चांदी, सोने की कीमतों में रिकॉर्ड स्तर से बड़ी गिरावट

नई दिल्ली: वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी और सोने की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जहां निवेशकों में अपने बढ़ते निवेश मूल्य को भुनाने की होड़ मनुष्यन को मिली. वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझानों और अमेरिकी मुद्रा में तेजी के कारण चांदी का वायदा भाव 17 प्रतिशत घटकर 3.32 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. जबकि सोना नौ प्रतिशत गिरकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया.

मल्टी क्रमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में, मार्च माह में डिलिवरी वाले चांदी वायदा का भाव 67,891 रुपये, या 16.97 प्रतिशत घटकर 3,32,002 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जो एक दिन में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है. गुरुवार को चांदी की कीमत लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद यह 3,99,893 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई. इसी तरह, सोने के वायदा भाव में भी गिरावट आई क्योंकि निवेशकों ने जिस एक्सचेंज में भारी मुनाफावसूली की. इसके फरवरी माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 15,246 रुपये, या नौ प्रतिशत टूटकर 1,54,157 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई. गुरुवार को, सोने की कीमत लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद एमसीएक्स पर यह 1,69,403 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई.



मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिस विन्शेषक, मानव मोदी ने कहा कि चांदी और सोने की कीमतों ने आज सभी फॉर्मेट, 'मेगा' और 'मिनी' अनुबंधों में निचले सर्किट स्तर को छू लिया है. उन्होंने कहा, यह एक मजबूत मुनाफावसूली है जो हमने ऊपरी स्तर से देखी है, और

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह शुक्रवार सुबह फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल के उत्तराधिकारी की घोषणा करेंगे. दुनिया की छह प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को मापने वाला, डॉलर

इंडेक्स 0.33 प्रतिशत बढ़कर 96.60 पर कारोबार कर रहा था. अंतरराष्ट्रीय बाजार, कॉमेक्स में मार्च डिलिवरी वाला चांदी वायदा 19.30 डॉलर या 16.87 प्रतिशत गिरकर 95.12 डॉलर प्रति औंस के दिन के कारोबार के निचले स्तर पर आ गया. पिछले सत्र में यह 121.78 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था. कॉमेक्स में अप्रैल डिलिवरी वाला सोने का वायदा भी 392.1 डॉलर या 7.32 प्रतिशत गिरकर 4,962.7 डॉलर प्रति औंस रह गया. बृहस्पतिवार को यह 5,626.8 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था.

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 297 अंक टूटा

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 297 अंक की गिरावट आई, जबकि एनएसई निफ्टी 98 अंक टूट गया. धातु, आईटी शेयरों में बिकवाली के साथ एक फरवरी को पेश होने वाले बजट से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से बाजार नुकसान में रहा. कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और रुपये में कमजोरी के रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 296.59 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 82,269.78 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह 625.34 अंक तक नीचे आ गया था. पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 98.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,320.65 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील में सबसे ज्यादा 4.57 प्रतिशत की गिरावट आई. इसके अलावा, आईटीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस और कोटक महिंद्रा बैंक में भी गिरावट रही. दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों



में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 393.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे. हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,638.76 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. जियोजीट इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आम बजट से पहले भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा. आईटी और धातु शेयरों में कमजोर रुख के कारण मानक सूचकांकों में गिरावट आई. दुनिया के विभिन्न देशों

रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एआई कौशल बजट में 40 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग

नई दिल्ली: लॉजिस्टिक क्षेत्र कौशल परिषद (एलएसएससी) के एक बजट सर्वेक्षण में देश में रोजगार बढ़ाने के लिए आगामी आम बजट में कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल विकास के परिय्य में 40 प्रतिशत वृद्धि की मांग की गई है. एक बयान के मुताबिक, यह सिफारिश भारत के कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार और विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के सरकार के मिशन को गति देगी. सर्वेक्षण में 10 शहरों और 160 कंपनियों को शामिल किया गया. इसमें रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एआई-आधारित कौशल और प्रशिक्षण में निवेश को 40 प्रतिशत बढ़ाने का आह्वान किया गया है. वर्टेक्स ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष गगन अरोड़ा ने कहा कि जैसा कि आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारत की बेरोजगारी दर पांच प्रतिशत पर स्थिर है और श्रम बल की भागीदारी बढ़ रही है. ऐसे में प्रौद्योगिकी और उभरते क्षेत्रों में कौशल की कमी को दूर करना रोजगार सृजन में नयी ताने के लिए आवश्यक है. उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को एआई, डेटा विश्लेषण और उभरती प्रौद्योगिकियों में बड़े पैमाने पर कौशल कार्यक्रमों के लिए वर्तमान स्तर से कम से कम 40 प्रतिशत अधिक बजट आवंटन करना चाहिए.

विदेशी मुद्रा भंडार आठ अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई : देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 जनवरी को समाप्त समाह के दौरान 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी है. इससे पिछले समाह में कुल मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर रह था. मुद्रा भंडार सितंबर, 2024 में 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था, लेकिन हाल के दिनों में इस पर दबाव देखा गया. खाकरक तब जब रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया गया.



केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 23 जनवरी को समाप्त समाह के दौरान मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने

वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.36 अरब डॉलर बढ़कर 562.88 अरब डॉलर हो गईं. डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और वैन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यहास के प्रभाव शामिल होते हैं. आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन समाह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 5.63 अरब डॉलर बढ़कर 123.08 अरब डॉलर हो गया. केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष अधिकार (एसडीआर) 3.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.73 अरब डॉलर हो गया आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन समाह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 1.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.70 अरब डॉलर हो गई.

न्यूज कॉर्नर

गुजरात में पुल से गिरने के बाद कार में आग लगी, तीन लोगों की मौत

राजकोट: गुजरात के राजकोट जिले में शुक्रवार सुबह एक कार के पुल से गिरने के बाद उसमें आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना गोंडल-अटकोट राजमार्ग पर सुबह लगभग साढ़े पांच बजे तब हुई जब कार छोटा उदयपुर से गोंडल की ओर जा रही थी. पुलिस उपाधीक्षक नवीन चक्रवर्ती ने बताया कि कार आठ फुट ऊंचे पुल की दीवार से टकराने के बाद नीचे गिर गई. उन्होंने बताया कि गिरने के तुरंत बाद वाहन में आग लग गई, जिससे उसमें सवार लोग अंदर फंस गए. उन्होंने बताया कि हादसे में तीनों यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई. चक्रवर्ती ने बताया कि शिव बरामद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए गए हैं, जबकि नमूनों को पहचान के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है. उन्होंने बताया कि इस संबंध में जांच की जा रही है.

मेरा रुख भाजपा के पक्ष में नहीं बल्कि कुछ मुद्दों पर सरकार या भारत के पक्ष में : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि कुछ मुद्दों पर उनके रुख को मीडिया द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन के रूप में भले ही देखा जाए, लेकिन वह इसे केवल सरकार या भारत के समर्थन के रूप में देखते हैं. थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्पष्ट किया है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय मामलों पर उन्हें राजनीति के बारे में बात करना पसंद नहीं है और इसके बजाय वह देश के बारे में बात करना पसंद करते हैं. तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने यहां पत्रकारों से कहा, यह कोई नयी बात नहीं है, मैं हमेशा से यही कहता आया हूं.पिछले साल भारत-पाकिस्तान संघर्ष और पहलूनाम हमले के बाद की गई राजनयिक पहल पर उनकी टिप्पणियों को लेकर विवाद खड़ा हो गया था. उनकी टिप्पणियां कांग्रेस के रुख से भिन्न थी और पार्टी के कई नेताओं ने उनकी मंशा पर सवाल उठाते हुए उन पर निशाना साधा था. थरूर ने पत्रकारों से बातचीत में यह भी स्वीकार किया कि पार्टी के किसी सदस्य को पार्टी की विचारधारा के विरुद्ध नहीं जाना चाहिए. उन्होंने कहा, मैं संसद में हमेशा पार्टी के साथ खड़ा रहा हूं, इसलिए चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है.जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि वह कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ेंगे, तो थरूर ने कहा, मैं कह सकता हूं कि मैं कांग्रेस में ही रहूंगा और कहीं नहीं जा रहा हूं. मैं (केरल में) चुनाव प्रचार का हिस्सा रहूंगा और यूडीएफ की जीत के लिए काम करूंगा. उन्होंने पूछा, लेकिन, मुझे इस तरह के बयान देने के लिए क्यों कहा जा रहा है ?

करनाल में छात्र को थप्पड़ मारने का मामला

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने जांच के आदेश दिए

चंडीगढ़ : हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने करनाल के जिला शिक्षा अधिकारी को उन खबरों की जांच करने का निर्देश दिया है जिनमें कहा गया है कि एक निजी स्कूल के सालवीं कक्षा के एक छात्र को एक मामूली गलती के लिए अन्य छात्रों के सामने एक शिक्षक द्वारा बार-बार थपड़ मारे गए. घटना का संज्ञान लेते हुए आयोग ने पाया कि इस तरह के कृत्यों का बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और गरिमा पर लंबे समय तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. उसने स्कूल के प्रधानाचार्य को घटनाक्रम, शिक्षक के विरुद्ध की गई या प्रस्तावित कार्रवाई और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए अपनाए गए सुरक्षा उपायों को स्पष्ट करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया.इस घटना को बच्चे के मौलिक और वैधानिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताते हुए आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ललित बत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि स्कूल कानूनी और नैतिक रूप से सुरक्षित, गरिमापूर्ण और बच्चों के अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए बाध्य हैं. उन्होंने कहा कि अनुशासन को कभी भी भय, हिंसा या अपमान के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता और इस सिद्धांत से किसी भी प्रकार के विचलन पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी.शिकायत के अनुसार, एक मामूली गलती के लिए शिक्षक ने अन्य छात्रों की उपस्थिति में छात्र को कथित तौर पर बार-बार थपड़ मारे, जिससे उसे गंभीर मानसिक आघात, भय, अपमान और असुरक्षा की भावना का सामना करना पड़ा. अपने आदेश में आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी केवल माता-पिता की ही नहीं बल्कि स्कूल प्राधिकारियों की भी होती है. आदेश में कहा गया है, सकारात्मक पालन-पोषण और बाल-केंद्रित अनुशासन पद्धतियां भय और अपमान के बजाय मार्गदर्शन, सहानुभूति और अहिंसक सुधार पर केंद्रित होती हैं. ऐसी पद्धतियां सुरक्षित और सहायक शिक्षण वातावरण के लिए आवश्यक हैं, इसमें कहा गया है, वर्तमान घटना इन सिद्धांतों को अपनाने में एक गंभीर विफलता को दर्शाती है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे की गरिमा, मानसिक स्वास्थ्य और मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन हुआ है.

नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार के दोषी छह युवकों को 20–20 साल का सश्रम कारावास

ब्रह्मपुर : ओडिशा के गंजाम जिले की एक पॉक्सो अदालत ने बैद्यनाथपुर पुलिस थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के मामले में शुक्रवार को छह लोगों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई. विशेष सरकारी अभियोजक नारायण पांडा ने यह जानकारी दी. पांडा ने बताया कि बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) मामलों की विशेष न्यायाधीश-सह-अतिरिक्त जिला न्यायाधीश प्रणति पटनायक ने प्रत्येक दोषी पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया. दोषियों की उम्र 20 से 27 वर्ष के बीच है. अभियोजक ने बताया कि जुर्माना न भरने पर उन्हें छह महीने और जेल में रहना होगा. उन्होंने बताया कि दोषी अस्का, बेगुनियापड़ा, पुष्पोत्तमपुर, खड़्गीकोट और सोरदा पुलिस थाना क्षेत्रों के निवासी हैं. अदालत ने जिला विधिक सेवा अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि वे पीड़ित सुभावजा योजना के तहत पीड़िता को 15 लाख रुपये का भुगतान करें. पांडा के अनुसार, बतौर जुर्माना दोषियों से वसूली गई पूरी राशि पीड़िता को दी जाएगी. अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना तारी 2024 को उस वक्त घटी जब आरोपियों में से एक ने 17-वर्षीय लड़की को अपनी मां से मिलवाने के नाम पर कथित तौर पर बहलाया-फुसलाया तथा बस स्टैंड इलाके से उसे लड़कों के छात्रावास ले गया एवं कुछ गरीबते पथ पदार्थ पिलाए, जिसके बाद वह (लड़की) बेहोश हो गई. अभियोजन पक्ष के अनुसार, इसके बाद दोषियों ने कमरे की बलियां बंद कर दीं और कई घंटों तक लड़की का सामूहिक बलात्कार किया. बाद में उन्होंने लड़की को उसके घर के पास छोड़ दिया और उसे पुलिस को सूचना न देने की चेतावनी दी. बाद में लड़की ने पांच मई को बैद्यनाथपुर पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया.

मनरेगा की बहाली तक जारी रहेगा आंदोलन: कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की पुनर्बहाली की मांग को लेकर शुक्रवार को यहां अकबर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय से ग्रंथी स्मृति तक विरोध मार्च निकाला. पार्टी नेताओं ने ऐलान किया कि जब तक सरकार मनरेगा को बहाल नहीं करती, तब तक उनका यह आंदोलन जारी रहेगा.कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संग्राम आंदोलन के तहत आयोजित इस प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी महासचिव (संचार) खुर्राम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने उस मनरेगा को खत्म किया है जो पंचायतों को सशक्त करने और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिए सीधे पैसा पहुंचाने का जरिया था.उन्होंने कहा कि मनरेगा ऐतिहासिक और क्रांतिकारी अधिनियम था जो सितंबर 2005 को सर्वसम्मति से पारित हुआ था. इसको बनाने में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी का महत्वपूर्ण योगदान था. मनरेगा कानून संवैधानिक हक था, लोगों के पास रोजगार की कानूनी गारंटी थी. इस कानून से पंचायतें मजबूत हुईं. हर परिवार को पहली बार डीबीटी के माध्यम से पैसा पहुंचाया गया लेकिन ये कानून रद्द कर दिया गया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं चाहते हैं कि महात्मा गांजी से जुड़ा हुआ ये कानून ज्यादा समय तक चले. वो नहीं चाहते हैं कि लोगों को उनका हक मिले.दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि मनरेगा को केवल एक योजना नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीबों के रोजगार और सम्मान की गारंटी है. कांग्रेस शासन में गरीबों को अपने गांव में रहकर इज्जत की रोटी कमाने का हक मिला था, जिससे ग्रामीण भारत का विकास हुआ लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस व्यवस्था को चोट पहुंचाई. यह लड़ाई हर उस किसान और मजदूर की है जिसका हक छीना जा रहा है.कांग्रेस के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जो सरकार देश के अन्नदाता और श्रमशक्ति का अपमान करती है वो सत्ता में ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकती.

देश/विदेश

राजस्थान विधानसभा में फर्जी फॉर्म-7 के मुद्दे को लेकर हंगामा

जयपुर: राजस्थान में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान कथित तौर पर बड़ी संख्या में फर्जी फार्म-7 दिए जाने के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को विधानसभा में हंगामा हुआ, जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. शुन्यकाल में कांग्रेस के विधायक ने इस मुद्दे को उठाना चाहा तो संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इस पर एतराज जताया. मंत्री के अनुसार यह राज्य अथवा राज्य सरकार से संबंधित विषय नहीं है इसलिए इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती. इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए तथा हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. बाद में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वह इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने के बारे में विधि विशेषज्ञों की राय के बाद फैसला लेंगे.

कांग्रेस के विधायक जाकिर हुसैन गैसावत ने मकराना विधानसभा क्षेत्र में 14 से 19 दिसंबर के बीच प्राप्त फर्जी फॉर्म-7 की जांच करने व धरने के बावजूद सूची छिपाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने का मुद्दा पर्वी के जरिए उठाना चाहा. जैसे ही हुसैन ने बोलना शुरू किया संसदीय कार्य मंत्री मंत्री जोगाराम पटेल ने आपत्ति जताई. पटेल ने कहा कि

महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने श्रद्धांजलि अर्पित कर सर्वधर्म प्रार्थना में लिया भाग



नई दिल्ली: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और राजघाट स्थित महात्मा गांधी के समाधि स्थल पर सर्वधर्म प्रार्थना में भाग लिया. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित की. साथ ही उन्होंने सर्वधर्म प्रार्थना में भाग लिया.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके शाश्वत आदर्श को राष्ट्र की यात्रा का मार्गदर्शक बताया. प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके

सिद्धांतों और न्याय, सद्भाव और मानवता की सेवा पर आधारित भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धासुमन अर्पित किया और यहां आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सम्मिलित होकर उनके सैन्यनिष्ठ जीवन, अदम्य त्याग, नैतिक साहस और अहिंसा के चरम आदर्शों का स्मरण किया. उन्होंने कहा कि बापू का समग्र जीवन मानवता, करुणा और आत्मशुद्धि का वह उदाहरण दीपस्तंभ है, जिसकी ज्योति युग-युगांतर तक राष्ट्रीय चरित्र, सामाजिक संवेदना और सामूहिक विवेक को आलोकित करती रहेगी.

एलओसी पर फिर देखे गए पाकिस्तानी ड्रोन, सेना ने फायरिंग करके भगाया

कुपवाड़ा: उत्तरी कश्मीर के केरन सेक्टर के जोधा माकन बीरंदोरी में शुक्रवार को एक बार फिर पाकिस्तानी ड्रोन आसमान में उड़ते हुए देखे गए हैं. भारतीय सेना ने आते हुए ड्रोन पर फायरिंग की, जिससे सभी ड्रोन पीछे हट गए. किसी तरह के नुकसान या जान के नुकसान की खबर नहीं है. उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रखा के पास केरन सेक्टर के जोधा माकन बीरंदोरी इलाके के पास आज सुबह लगभग 15 पाकिस्तानी ड्रोन उड़ते हुए देखे गए. भारतीय सेना की 6 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने हवाई क्षेत्र में ड्रोन देखने के बाद चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई. प्रतिक्रिया के बाद कथित तौर पर सभी ड्रोन पीछे हट गए. अधिकारियों ने कहा कि घटना में किसी की जान या क्षति की सूचना नहीं है. स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और क्षेत्र में निगरानी और तेज कर दी गई है. सुरक्षा एजेंसियां ऐसी किसी भी हवाई गतिविधि पर नजर रखने और संभावित खतरों को रोकने के लिए एलओसी पर कड़ी सतर्कता बरत रही हैं.

सुडोकू–66

1	6	9	3	2	
2	7		1		9
5		3			
4	5	2			1
			5	1	
8					9
		8	7	3	
	3		4		7
			2	6	8
					3
					9

देश/विदेश

राजस्थान विधानसभा में फर्जी फॉर्म-7 के मुद्दे को लेकर हंगामा

विधायक ने पर्वी के जरिए उठाने के लिए जो विषय रखा है वह विषय नियमों व कायदे से यहां रखा ही नहीं जा सकता, क्योंकि यह न तो राजस्थान सरकार का विषय है न ही राजस्थान सरकार से जुड़ा कोई विषय है.पटेल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद- 324 के तहत निर्वाचक नामावली से जुड़े काम निर्वाचन आयोग के अधीन आते हैं. मतदाता सूची

सकता.इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जब मामला पर्वी के माध्यम से उठ गया है और सदन के अध्यक्ष की अनुमति से उठ गया तो संसदीय मंत्री कौन से नियमों की बात कर रहे हैं. जूली ने कहा, हम तो पर्वी के माध्यम से यह पूछ रहे हैं कि जो आवेदन आए वे कहां से आए और उसकी जांच होगी या नहीं. हम तो चाहते हैं कि सरकार उसकी जांच करवा ले. इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्री व नेता प्रतिपक्ष में तीखी नोक-झोंक हुई. मंत्री ने कहा कि इस विषय को यहां नहीं उठाया जा सकता. जूली ने इस मामले की जांच करवाने की मांग की. दोनों ओर के विधायक बोलने लगे तो विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही भोजनावकाश से पांच मिनट पहले दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी.बाद में जब सदन की बैठक शुरू हुई तो जूली ने अध्यक्ष देवनानी से आग्रह किया कि चुनाव सुधारों के मुद्दे पर लोकसभा में हाल ही में चर्चा हुई है तथा उसके अनुसार यहां आधे घंटे की चर्चा करवाई जा सकती है. संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऐसी चर्चा नियमों के अनुसार इस सदन में नहीं हो सकती. अध्यक्ष देवनानी ने कहा, मैं विधि विशेषज्ञों व संसदीय सचिवालय से चर्चा कर इस पर निर्णय करूंगा. इसके बाद सदन में आगे की नियमित कार्यवाही हुई.

कुवैत-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतियातन अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है. इस फ्लाइट में सवार सभी 180 यात्री सुरक्षित हैं. हालांकि, एयरलाइन की ओर से काई प्रतिक्रिया नहीं मिली है. एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह कुवैत से दिल्ली आ रही इंडिगो के एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया. इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई. धमकी की जानकारी टि्शू पेपर पर लिखे एक नोट पर मिली. इसमें फ्लाइट को हार्डजैक कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी. अधिकारियों ने बताया कि अभी तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है. एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि इंडिगो का यह विमान सुबह करीब 6.40 बजे 180 यात्रियों के साथ सुरक्षित उतर गया. फिलहाल पूरे विमान की जांच की जा रही है.

छत्तीसगढ़ के सुकमा में चार माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा: छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के किस्टाराम एरिया कमेटी में सक्रिय 8 लाख रुपये के इनामी चार माओवादी कैडरो ने शुक्रवार को ऑटोमैटिक हथियार पुलिस अधिकारियों को सौंप कर आत्मसमर्पण किया है. इनमें दो महिला नक्सली शामिल हैं. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा पुलिस एवं आंध्र प्रदेश के अल्ट्रर सीताराम राजू जिला पुलिस के संयुक्त प्रयासों से पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टुलिंगम, पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चट्टणग, पंकज मोर्णा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अल्ट्रर सीताराम राजू (आंध्रप्रदेश), रोहित शाह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुकमा, 2खसी कोंटा रेंज सीआरपीएफ अरविंद पी. आनंद के समक्ष दक्षिण बस्तर डिविजन अंतर्गत कोंटा किस्टाराम एरिया कमेटी में सक्रिय कुल 8 लाख रुपये के इनामी चार माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है.

इन नक्सलियों में एसीएम सोदी जोगा, निवासी सिंघनमड़गू, थाना किस्टाराम, जिला सुकमा, डाबर गंगा उर्फ मड़कम गंगा निवासी सिंगाराम, गोलापल्ली, सोदी राजे गोलापल्ली एलओएस सदस्य निवासी एंटपाइ, थाना चिंगागुफा, जिला सुकमा और माडवी बुधरी, गोलापल्ली एलओएस सदस्य निवासी सिंघनमड़गू, थाना किस्टाराम, जिला सुकमा

शामिल हैं. इनमें सोदी जोगा पर पांच लाख रुपये का इनाम है. इसके अलावा डाबर गंगा पर एक लाख, सोदी राजे पर एक लाख और माडवी बुधरी पर एक लाख रुपये का इनाम है. इन लोगों ने अपनी एसएलआर रायफल सहित कई खतरनाक हथियार पुलिस को सौंप दिए हैं. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चट्वाण ने कहा कि हम शेष बचे माओवादी कैडरों से भी अपील करते हैं कि वे जल्द से जल्द हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करें और शासन की पुनर्वास योजना का लाभ उठाकर अपने जीवन की नई शुरुआत करें.बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टुलिंगम ने बताया कि आज सुकमा जिले में 'पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन' का मार्ग त्यागकर छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति को अपनाया है. यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि माओवादी संगठन तेजी से समाप्ति की ओर बढ़ रहा है. सुदूर अंचलों में स्थापित सुरक्षा कैम्पो, बेहतर सड़क कनेक्टिविटी, लगातार सफल नक्सल विरोधी अभियानों तथा विकास योजनाओं की प्रभावी पहुंच से संगठन का आधार क्षेत्र सिमट गया है और शासन-प्रशासन के प्रति जन-विश्वास मजबूत हुआ है. उन्होंने शेष बचे कैडरों से अपील की कि हिंसा में केवल विनाश है.

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -65 का उत्तर								
6	3	1	8	2	7	9	5	4
9	7	5	3	4	1	6	2	8
2	8	4	9	6	5	1	3	7
1	9	3	2	7	8	5	4	6
7	2	6	4	5	3	8	1	9
5	4	8	1	9	6	3	7	2
3	5	9	7	8	2	4	6	1
8	1	7	6	3	4	2	9	5
4	6	2	5	1	9	7	8	3

'लड़कियां ही नहीं चार-चार बच्चों की मां भी भाग रही है'

विधायक नरेंद्र बुडानिया ने जताई चिंता, पक्ष विपक्ष से समाधान की अपील

जयपुर: राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान ऐसा विषय सामने आया जिसने सदन को गंभीर सोच में डाल दिया. तारानगर से विधायक नरेंद्र बुडानिया ने प्रदेश में लड़कियों के घर से भागने की घटनाओं को लेकर गहरी चिंता जाहिर की है.

बुडानिया ने कहा कि आज प्रदेश का हर माता-पिता अपने बच्चों खासकर बेटियों को लेकर भय और तनाव में जी रहा है. रात में चैन की नींद नहीं आती क्योंकि हजारों लड़कियां घर छोड़कर चली जा रही हैं. उन्होंने बताया कि हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि चार या पांच बच्चों की मां भी घर से भागने लगी है.विधायक ने सदन को झकझोर देने वाले उदाहरण साझा किए. उन्होंने कहा कि कई मामलों में पुलिस जब लड़कियां को ढूंढ कर माता-पिता के पास लाती है तो

मामला नहीं है. केंद्र के नियमों या सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग लेकिन राजस्थान के स्तर पर सत्ता और विपक्ष दोनों को मिलकर सोचना होगा. बुडानिया ने आग्रह किया कि गंभीर विचार कर ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे लड़कियों के घर से भागने की घटनाएं कम हों और परिवार सुरक्षित रह सकें.

मासिक धर्म भी अब मौलिक अधिकार

स्कूलों को देना होगा फ्री सैनिटरी पैड

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देशभर की छात्राओं के लिए एक ऐतिहासिक और दूरगामी असर वाला फैसला सुनाया. शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि सरकारी और निजी दोनों तरह के स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को जैव-अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) सैनिटरी पैड मुफ्त उपलब्ध कराए जाएं.

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि, मासिक धर्म से जुड़ा स्वास्थ्य संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है. अदालत ने इसे छात्राओं के सम्मान, स्वास्थ्य और समान अवसर से सीधे जुड़ा विषय बताया.

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि अगर कोई निजी स्कूल छात्राओं को ये सुविधाएं देने में असफल रहता है, तो उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है. यानी अब यह सिर्फ एक सलाह नहीं, बल्कि कानूनी जिम्मेदारी बन गई है. जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी निर्देश दिया कि सभी स्कूलों में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय हों. सभी स्कूलों में दिव्यांग शौचालय भी उपलब्ध कराए जाएं. अदालत ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई और गोपनीयता की सुविधा न मिलना छात्राओं के शिक्षा से

साध्वी प्रेम बाईसा की मौत का मामला विधानसभा तक पहुंचा, उच्चस्तरीय जांच की मांग

जयपुर: जोधपुर में कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद जहां भक्तों में भारी रोष है, वहीं इस मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है. शुक्रवार को यह मामला राजस्थान विधानसभा तक पहुंच गया. विपक्ष और सत्तापक्ष के नेताओं ने अलग-अलग अंदाज में जांच की मांग उठाई.विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि साध्वी की मौत से भक्त सदमे में हैं. पूरे मामले की हाईलेवल कमेटी बनाकर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके.वहीं, हवामहल से भाजपा विधायक बालमुकुंदचार्थ ने इसे सनातन प्रेमियों के लिए आघात बताया. उन्होंने कहा कि प्रेम बाईसा ने कम उम्र में कथाओं और सत्संग के माध्यम से गोसेवा, जरूरतमंदों की सेवा और निर्धन बच्चियों की शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए. उन्होंने आरोप लगाया कि सनातन का प्रचार करने वालों के खिलाफ साजिश रची जा रही है और साध्वी की छवि खराब करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेरम ने साध्वी के निधन पर संवेदना जताते हुए कहा कि पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है.

युवा शक्ति माथापच्ची– 83

1		2	3		4
	5				
7					
		8		9	
11	12			13	14
15			16		
			17	18	
19					20

● **बारें से दाएं**

1. मतलब, धन, 3. महत्वपूर्ण नियम/विधान, रेगुलेशन, 5. उदाहरण, उठाना, तत्पर करना, 6. चाचा, मोर की बोली, 7. तैयार रुपया, तत्काल भुगतान हेतु दिया जाने वाला धन, 9. पान, पान का बीड़ा, 10. सख्त सजा, 11. मेल, एक्य संगठन, 13. निषेध, मनाही, 15. श्याम, कृष्ण, कारा, 17. एकदम सच, पूरी तरह ठीक, 19. श्राद्ध, पितृपक्ष, 20. अधिकार,

● **उपर से नीचे**

1. अन्न-न्याग, 2. नासिका, 3. लोप, तबाही, हानि, 4. समय-जो अनंत और अखंड है, महादेव, 5. निर्माण स्तर, प्रति व्यक्ति निर्माण दर, 6. वश, 8. जो घना न

हो, दुर्लभ, पतला, 9. शिव नृत्य, 11. अचानक, 12. अंश, कौशल, 14. निवासी, 16. बेटा जो नाम रेशन करे, 18. सर्वदा, हमेशा,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची– 82 का हल

मि	न	मि	ना	ना	स	ह	न
ला		दा		क	म	ला	
व	र	दा	न		ह	रत्न	
ट	न		अ	नु	प	ल	व्य
	दी				र		
क	म	र	ब	न्द	मा	स	
रा	ह			अ	णु	ब	म
	का	य	र		स		द
अ	ना	म		प्र	त्य	क्ष	द

आईटी रेड के दौरान बेंगलुरु के मशहूर बिजनेस टायकून ने गोली मारकर की आत्महत्या

बंगलुरु: रियल एस्टेट और कंज्यूमर/कॉन्सोमिमेरेट सेक्टर से जुड़े कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सी.जे. रॉय ने बेंगलुरु में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बेंगलुरु के अनेपलया इलाके में उनके घर पर हुई, बताया जा रहा है कि लगातार हो रही आयकर विभाग की कार्रवाई से रॉय काफी परेशान थे, जब आयकर अधिकारी रिचमंड रोड स्थित कॉन्फिडेंट ग्रुप के ऑफिस में रेंड कर रहे थे, तभी रॉय ने अनेपलया स्थित अपने घर में कथित तौर पर अपनी जान दे दी, हालांकि इस पहलू की जांच की जा रही है कि क्या उन्होंने जांच के दौरान ही खुद को गोली मारी, जानकारी के मुताबिक, आयकर (इनकमे टैक्स) विभाग ने डॉ. सी.जे. रॉय से जुड़ी कंपनियों/ठिकानों पर छापेमारी की थी, छापों के दौरान उनकी कमाई के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति (डिसप्रोपोर्शनिटे एसेसस) होने से जुड़े कुछ पहलुओं के सामने आने का दावा किया जा रहा है, इसके बाद डॉ. रॉय के आत्महत्या करने की सूचना सामने आई है, पुलिस के अनुसार, यह मामला शहर अशोक नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है, बताया जा रहा है कि हालिया आयकर कार्रवाई और बार-बार होने वाली छापेमारी से डॉ. रॉय काफी तनाव में रहे, इसी बीच, जब आयकर अधिकारी रिचमंड रोड स्थित कॉन्फिडेंट ग्रुप के

कार्यालय में कार्रवाई कर रहे थे, तब डॉ. रॉय ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली, कॉन्फिडेंट ग्रुप की स्थापना वर्ष 2005 में हुई थी, यह समूह रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में एक जानामानो नाम है, जिसके तहत रियायती



अपार्टमेंट, विला, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और मिक्सडयूज प्रोजेक्ट्स विकसित किए गए हैं, बीते दो दशकों में कंपनी ने कर्नाटक समेत देश के अन्य हिस्सों में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है, डॉ. रॉय को एक सक्रिय और काबिल कारोबारी के रूप में जाना जाता था, जिन्होंने कंपनी की प्रगति रणनीति और संचालन में अहम भूमिका निभाई, डॉ. रॉय के निधन की

कार्यालय में कार्रवाई कर रहे थे, तब डॉ. रॉय ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली.

कॉन्फिडेंट ग्रुप की स्थापना वर्ष 2005 में हुई थी, यह समूह रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में एक जानामाना नाम है, जिसके तहत रिहायशी



अपार्टमेंट, विला, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और मिक्सड्यूज प्रोजेक्ट्स विकसित किए गए हैं। बीते दो दशकों में कंपनी ने कर्नाटक समेत देश के अन्य हिस्सों में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। डॉ. रॉय को एक सक्रिय और कालिद कारोबारी के रूप में जाना जाता था, जिन्होंने कंपनी की प्रगति रणनीति और संचालन में अहम भूमिका निभाई। डॉ. रॉय के निधन की

खबर फैलते ही कर्मचारियों, कारोबारी सहयोगियों और रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। कई उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें मेहनती, अवसरों को पहचानने वाले और अनुशासित व्यवसायी के रूप में याद किया। कंपनी के दफ्तरों में

कर्मचारी गमगीन नजर आए. हालांकि निधन के पीछे की वजहों की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर बड़े कारोबारियों और शीर्ष प्रबंधन पर रहने वाले व्यक्तियों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव को लेकर चर्चा छेड़ दी है. कॉन्फिटेड ग्रुप देश की जानी-मानी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है. पुलिस ने बताया कि आईटी डिपार्टमेंट के अधिकारी दो गाड़ियों में

आए और रॉय के ऑफिस पर छापा मारा. रॉय, जो दोपहर में ऑफिस आए थे, उन्होंने अपनी छाती में गोली मार ली. पुलिस ने बताया कि उन्हें आईटी अधिकारियों ने एक घंटे तक पूछताछ की थी. पुलिस ने बताया कि रॉय ने पिस्तौल से खूद पर गोली चलाई.

जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या यह घटना चल रहे इनकम टैक्स छापे के दौरान हुई थी। घटना के बाद, रॉय के स्टाफ ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार,

राय के परिवार के कई बिजनस ह, आर उन पर कई मामले चल रहे थे. आत्महत्या का सही कारण अभी भी जांच के दायरे में है. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे आर आगे की जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच से पता चलता है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के बार-बार छापे के बाद राय ने यह कदम उठाया होगा. खुद

उनकी प्रॉपर्टी पर भी छापे मारे थे। फिलहाल पुलिस इस मामले में सभी पहलुओं से जांच कर रही है। आत्महत्या के पीछे की परिस्थितियों, किसी सुसाइड नोट की मौजूदगी और आयकर विभाग की कार्रवाई से जुड़े तथ्यों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही सामने आ पाएगी।

बंगाल में मतदान केंद्रों की स्थिति पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त

निर्वाचन आयोग से रिपोर्ट तलब

कोलकाता: अगामी महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में मतदान केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने शुक्रवार को भारत निर्वाचन आयोग से राज्य के मतदान केंद्रों की अवसंरचना स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मुख्य न्यायाधीश सुजाय पाल

अवसंरचना के रखरखाव और सुधार के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं, मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की गई है.

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए मतदान केंद्रों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं से संबंधित स्पष्ट दिशा-निर्देश तय कर रखे हैं। इसके बावजूद पश्चिम बंगाल में, विशेषकर दूरदराज ग्रामीण इलाकों में, लंबे समय से मतदाताओं द्वारा यह शिकायत की जाती रही है कि कई मतदान केंद्रों पर ये सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।



इकाई मैकिंठोशा बर्न लिमिटेड (एमबीएल) को कार्यान्वयन एजेंसी बनाना चाहते थे. प्रारंभ में एमबीएल प्रबंधन ने इसके लिए सहमति भी जताई थी, लेकिन बाद में उन्होंने इस जिम्मेदारी को भिमाने में असमर्थता जताते हुए सीईओ को कार्यालय को इसकी जानकारी दे दी. इस मामले पर अब सभी की निगाहें निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट और अगले समाह होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं.

आयकर की छापेमारी में बाबा ग्रुप के ठिकानों से मिले 1.25 करोड़ रुपये और जेवरात

रांची: आयकर विभाग के छापेमारी में राउल निगीन बाबा ग्रुप के टिकानों में 1.25 करोड़ रुपये नकद मिले हैं। इसके अलावा विभिन्न टिकानों से भारी मात्रा में जेवरात जब्त किए गए. बाबा ग्रुप की सभी कंपनियों के मूल्य का आकलन किया जा रहा है. आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा (रांची) ने बीते गुवर्नर को बाबा एगो और बाबा फुड प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के झारखंड और बिहार स्टिटेड को 45 टिकानों पर छापेमारी शुरू की थी. छापेमारी के दायरे में बाबा ग्रुप से जुड़े आदितिया (कमीशन एजेंट) के अलावा सीए. कंपनी के निदेशकों को भी शामिल किया गया था. छापेमारी के दूसरे दिन शुक्रवार को नकदी और जेवरात मिले हैं.

अभी तक योगेश साह के टिकानों से

1.25 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। आयकर अधिकारियों का दल इस नकदी के स्रोत की जानकारी के लिए संबंधित लोगों से पूछताछ कर रहा है। दरअसल पूछे से जुड़े लोगों की ओर से इस नकदी का सही स्रोत नहीं बता पाया है। की वजह से इसे ग्रुप की ओरिणित नकदी मानी जा रही है। छापेमारी के दौरान अन्य ठिकानों से मिली नकदी और कच्चे कार्गो पर किए गए व्यापार के मुद्दे पर भी संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। छापेमारी के दायरे में शामिल आदतिया और सीए सहित अकाउंटेंट से भी व्यापारिक गतिविधियों के सिलसिले में पूछताछ जारी है।

इस दौरान कुछ ठिकानों से भारी मात्रा में जेवरात भी मिले हैं. इसके मूल्य के आकलन के लिए जानकार बलाए गए

हैं, जेवरात के मूल्यांकन और सतों की जानकारी मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। आयकर विभाग बाबा प्रकाश की अचल संपत्ति जैसा जमीन, मुकान, फैक्ट्री सहित आयकर संपत्तियों का मूल्यांकन करा रही है। फिलहाल इस तरह की 10 संपत्तियों के मूल्यांकन के लिए सक्षम अधिकारियों के लगाया गया है। यह कार्रवाई कल भी जारी रह सकती है।

इससे पूर्व छापेमारी के दौरान गया स्थित एक आदित्या के ठिकाने से भी शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में आयकर विभाग की ओर से की जाने वाली यह पहली छापेमारी है। यह कार्रवाई व्यापारियों की ओर से अपनी वास्तविक आमदनी छिपाकर देवस चोरी करने के मामले में की जा रही है।

उपेंद्र कुशवाहा ने असंतुष्टों को मनाने के लिए पार्टी विधायक को प्रदेश अध्यक्ष बनाया

पटना: राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उदुप्र कुशवाहा ने पार्टी के भीतर उत्पन्न असंतोष को शांत करने की कवायद के तहत शुक्रवार को अपने दल के विधायक आलोक कुमार सिंह को बिहार इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया। राज्यसभा सदस्य कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता रालोमो के चार विधायकों में शामिल हैं, और बेटे दीपक प्रकाश राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री हैं, हालांकि वे विधानमंडल के सदस्य नहीं हैं। कुशवाहा ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। कुशवाहा ने कहा, हाल के विधानसभा चुनाव के बाद हमने पार्टी की प्रवेश इकाई को भंग करके नए सिरे से गठन करने का फैसला किया था। यह प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है। मुझे अब घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दिनाार से हमारे विधायक आलोक कुमार सिंह को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

सिंह उन तीन विधायकों में शामिल थे, जिन्होंने हाल ही में कुशवाहा द्वारा आयोजित भोज में शिरकत नहीं की थी। अन्य दो विधायक रालोमो के प्रधान राष्ट्रीय महासचिव माधव आनंद और रमेश्वर महतो थे। हालांकि, उसी दिन इन नेताओं ने भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। रालोमो सूखें ने पहले इसकी पुष्टि की थी कि मध्यमंजी नीतीश कुमार

की जड़(यू) छोड़कर तीन वर्ष पहले पार्टी गठित करने वाले कुशवाहा द्वारा अपने परिवार को अधिक महत्व दिए जाने को लेकर पार्टी में कुछ असंतोष था। हालांकि, कुशवाहा और पार्टी के अन्य नेताओं ने



किसी भी तरह का मतभेद होने से संवाददाता सम्मेलन में इनकार किया और कहा कि सभी नेता एकजुट होकर काम करने और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर की गई अन्य घोषणाओं में मदन चौधरी

को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (संगठन), प्रशांत पंकज और सुभाष चंद्रशेखरी को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष तथा हिमांगु पटेल को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया. इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए माधव आनंद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मुझे विश्वास है कि सभी नवनियुक्त पादाभिधारी पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और संगठन को मजबूत करेंगे. माधव आनंद पहले राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के समय से कुशवाहा के करीबी सहयोगी रहे हैं. संवाददाता सम्मेलन में मौजूद आयोगी कुमार सिंह ने कहा, मैं सांभारी हूं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है. इससे पहले मुझे प्रदेश में संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष भी बनाया गया था. बिहार विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी ने छह में से चार सीटों पर जीत दर्ज की. हम लालो मो ने नई ऊंचाईयों पर ले जाएंगे. पार्टी में कथित असंतोष के सवाल पर सिंह ने कहा कि संगठन के भीतर किसी तरह की नाराजगी नहीं है. कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रीय संस्वरण के अनुसूच प्रार्थमिक इकाई से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक भीष्म हर विशेष सदस्यता अभियान चलाया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में डबल इंजन की सकाराविकास को गति देगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देगी.

विकास भवन और सीईओ

कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन
कोलकाता: शुक्रवार को एक ही दिन में शहर के दो अलग-अलग छोरों पर हुए दो विरोध प्रदर्शनों से कोलकाता की सड़कें उबाल पर रहीं. एक ओर राज्य के प्रशासनिक केंद्र विकास भवन में स्कूल-स्कूल में पैदा शिक्षक नियुक्ति और शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार-मुक्त करने की मांग को लेकर वामपंथी छात्र संगठन एसएफआई ने अभियान चलाया. वहीं दूसरी ओर, सेबक के मंगपू में तीस्ता नदी में कूदकर एक बीएलओ के आत्महत्या करने की घटना के विरोध में बीएलओ एकता में से चुनाव आयोग के सीईओ कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया. मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय विकास भवन परिसर में हालात तेजी से तनावपूर्ण हो गए. पुलिस बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करते ही धक्का-मुक्की शुरू हो गई और कुछ ही पलों में इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया. एसएफआई का आरोप है कि पुलिस के साथ संघर्ष में उनके कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं.

हालांकि पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए न्यूनतम बल प्रयोग किया गया। एक्सपर्ट्स आई न्यूतन का दावा है कि राज्य के स्कूलों में भयावह शिक्षक हजारे हैं और नियुक्ति घोटाले के कारण हजारों नीकियां रह होने से शिक्षण व्यवस्था विनाश के कगार पर पहुंच गई है। उधर, सीईओ कार्यालय के सामने बीएसओ एकता देव के प्रदर्शन में भी भारी आक्रोश देखने को मिला। मुक्त बीएसओ के परिजन का आरोप है कि चुनाव संबंधी अतिरिक्त कार्यभार और प्रशासनिक उत्पीड़न के कारण ही उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि बीएसओ पर डाले जा रहे अमानवीय दबाव को तुरंत खत्म किया जाए। मांगें पूरी न होने पर भविष्य में आंदोलन और तेज करके की चेतावनी भी दी गई है।

Shyam Metalics is a leading integrated metal-producing company based in India primarily in the steel industry in West Bengal and Odisha with a focus on long steel products and ferro alloys. Headquartered in Kolkata, West Bengal, the company is amongst the largest producers of ferroalloys in terms of installed capacity in India (Source: CRISIL Report). The company can sell intermediate and final products across the steel value chain. Shyam Metalics is one of the leading players in terms of pellet capacity and the fourth largest player in the sponge iron industry in terms of sponge industry in terms of sponge iron capacity in India."

- Source: CRISIL Report

OUR PRODUCTS



sales@shyamgroup.com
contact@shyamgroup.com

www.shyammetalics.com
www.seltigertmt.com

Toll Free No.
1800 202 2233